राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,२५मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -६१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राबड़ी ने साधा निशाना, विधानसभा में महिला विधायकों का चीरहरण होता रहा, धृतराष्ट्र बन नीतीश कुमार देखते रहे

पटना। बिहार विधानसभा में हुए हंगामे को लेकर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला है। राबड़ी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि विधानसभा में महिला विधायकों का चीरहरण होता रहा। सरेआम उनकी साड़ी को खोला गया, ब्लाउज़ के अंदर हाथ डालकर खींचा गया, अवर्णीय तरीक़े से बदसलूकी की गयी और नंगई की पराकाष्ठा पार कर चुके नीतीश कुमार धृतराष्ट्र बन कर देखते रहे। सत्ता आनी-जानी है लेकिन इतिहास तुम्हें कभी क्षमा नहीं करेगा। बता दें कि मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी विधानसभा घेराव में लाठीचार्ज व विधानसभा में हुए घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। आरोप लगाया कि सरकारी बर्बरता अंग्रेजी शासन की याद दिलाती है। विधानसभा में काला कानून पेश किया गया। विपक्ष इस जनविरोधी कानून का विरोध कर रहा था। आरोप लगाया कि विधायकों को पीटा गया व महिला विधाकों को बाल पकड़कर खींचा गया। सरकार विपक्ष और जनता की आवाज को दबा देना चाहती है। विधानसभा में महिला विधायकों का चीरहरण होता रहा।सरेआम उनकी साड़ी को खोला गया, ब्लाउज़ के अंदर हाथ डालकर खींचा गया, अवर्णीय तरीक़े से बदसलूकी की गयी और नंगई की पराकाष्ठा पार कर चुके नीतीश कुमार धृतराष्ट्र बन कर देखते रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस विधेयक 2021 लोगों और उनके हितों की रक्षा के लिए है। यह लोगों को कष्ट देने के लिए नहीं बना है। इसको लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। इसका विरोध करने वाले इस विधेयक को गौर से पहले पढ़ लें। बिना पढ़े अफवाह फैलायी जा रही है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि बीएमपी का नाम बदलकर बिहार सशस्त्र पुलिस किया गया है। बिहार मिलिट्री पुलिस, यह नामकरण उपयोगी नहीं है। पुलिस का जो काम है, वही वह करेगी।

चुप क्यों हैं उद्धव ठाकरे, कांग्रेस भी बताए 'महावसूली' सरकार में मिला कितना हिस्सा: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लेटर में होम मिनिस्टर पर लगाए आरोपों को लेकर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गवर्नर से मुलाकात की है। देवेंद्र फडणवीस बुधवार को सुबह बीजेपी के कई नेताओं के साथ गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी से मिले और उन्हें ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल से मुलाकात के बाद फडणवीस ने कहा कि यह दुख की बात है कि पूरे मामले पर सीएम उद्धव ठाकरे चुप हैं। शरद पवार ने दो दिन तक बचाव किया है, जबकि कांग्रेस अस्तित्व में नहीं दिख रही है। उन्होंने एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी सरकार को महावसूली सरकार करार दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरह से चुप्पी बरती है, उसे बताना चाहिए कि उसे इसके लिए कितना हिस्सा मिला है। उन्होंने कहा कि हमने गवर्नर के सामने पूरा मामला रखा है। हमें उम्मीद है कि इस मसले पर गवर्नर को बात करनी चाहिए और सीएम से पूछना चाहिए कि आखिर उन्होंने इस पर क्या कार्रवाई की है। होम मिनिस्टर अनिल देशमुख पर पूर्व कमिश्नर की ओर से लगाए आरोपों के बाद से बीजेपी सूबे की गठबंधन सरकार पर हमलावर है और इस्तीफे की मांग कर रही है। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने सीएम को लिखे अपने एक लेटर में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख की ओर से मुंबई पुलिस को महीने में 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का टारगेट दिया गया था। बता दें कि परमबीर सिंह का मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से ट्रांसफर कर दिया गया है और अब वह डीजी होमगार्ड्स की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस बुधवार को सुबह बीजेपी के कई नेताओं के साथ गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी से मिले और उन्हें ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल से मुलाकात के बाद फडणवीस ने कहा कि यह दुख की बात है कि पूरे मामले पर सीएम उद्धव ठाकरे चुप हैं। शरद पवार ने दो दिन तक बचाव किया है, जबकि कांग्रेस अस्तित्व में नहीं दिख रही है। उन्होंने एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी सरकार को महावसूली सरकार करार दिया।

> ● कांग्रेस ने जिस तरह से चुप्पी बरती है, उसे बताना चाहिए कि उसे इसके लिए कितना हिस्सा मिला है। उन्होंने कहा कि हमने गवर्नर के सामने पूरा मामला रखा है। हमें उम्मीद है कि इस मसले पर गवर्नर को बात करनी चाहिए और सीएम से पूछना चाहिए कि आखिर उन्होंने इस पर क्या कार्रवाई की है।
> होम मिनिस्टर अनिल देशमुख पर पूर्व कमिश्नर की ओर से लगाए आरोपों के बाद से बीजेपी सूबे की गठबंधन सरकार पर हमलावर है और इस्तीफे की मांग कर रही है। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने सीएम को लिखे अपने एक लेटर में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख की ओर से मुंबई पुलिस को महीने में 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का टारगेट दिया गया था।

परमबीर सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

परमबीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अपने ट्रांसफर को चुनौती देते हुए अर्जी दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट में आज परमबीर की अर्जी पर सुनवाई हो सकती है। ऐसे में शीर्ष अदालत के फैसले पर निर्भर करेगा कि राज्य में आगे राजनीतिक घटनाक्रम क्या हो सकता है। बता दें कि एनसीपी के मुखिया शरद पवार ने लगातार दो दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनिल देशमुख का बचाव किया था। सोमवार को उन्होंने एक अस्पताल का पर्चा दिखाते हुए कहा था कि अनिल देशमुख अस्पताल में एडमिट थे। हालांकि इस पर भी उस वक्त विवाद हो गया, जब उनका 15 फरवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो सामने आया।

बीजेपी का आरोप, आइसोलेशन में नहीं थे देशमुख

यही नहीं अनिल देशमुख ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि शरद पवार के मुंह से झूठ बुलवाया गया। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने कहा कि 16 से 27 फरवरी के दौरान अनिल देशमुख आइसोलेशन में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह एक गेस्ट हाउस में गए थे और अपने घर पर अफसरों से मिलते रहे थे। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली जाकर गृह सचिव से मुलाकात की थी और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी।

बाबा रामदेव के आश्रम में मिला था सांसद नवनीत कौर राणा को लाइफ पार्टनर

नई दिल्ली। एक महिला सांसद नवनीत कौर राणा इन दिनों खूब चर्चा में हैं। दरअसल, नवनीत राणा ने बीते दिन लोकसभा में महाराष्ट्र में जारी 100 करोड़ रुपये के वसूली कांड का मसला उठाया था और महाविकास अघाड़ी सरकार पर जमकर बरसी थीं। उन्होंने संसद में मनसुख हिरेन हत्या का मामले को लेकप महाराष्ट्र में महा विकास अघाडी सरकार पर कई आरोप लगाए थे। उन्होंने संसद में कहा कि जिस पुलिस अधिकारी को 16 साल तक निलंबित रखा गया, उसे महाराष्ट्र में महा विकास अघाडी सरकार आते ही बहाल क्यों कर दिया गया? बाद में नवनीत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया था कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने उन्हें जेल में डालने और देख लेने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि वह शिवसेना सावंत के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगी। इसके बाद तो वे मानो खबरों में छा गईं। वहीं, अरविंद सावंत ने इन आरोपों पर अब सफाई देते हुए कहा कि मैं उसे क्यों धमकी दूंगा? आप लोग उस समय नवनीत के पास मौजूद लोग से पूछिए वे ही बता सकते हैं कि क्या मैंने उसे धमकी दी है। उनके बात करने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज गलत है। यहां हम आपको राजनीति में उतरने से पहले फिल्मों में हाथ आजमा चुकी नवनीत की निजी जिंदगी के बारे में कुछ बताने जा रहे हैं।

दिलचस्प है नवनीत की लव स्टोरी

राजनीति में उतरने से पहले नवनीत पंजाबी और साउथ इंडियन फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साल 2011 में उन्होंने अमरावती के बडनेरा विधानसभा से विधायक रवि राणा से शादी की थी। लेकिन उनकी लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। दरअसल नवनीत कौर राणा और रवि राणा की पहली मुलाकात बाबा रामदेव के आश्रम में हुई थी, जहां दोनों एक योग कैंप में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। मुलाकात के बाद दोनों प्यार में पड़ गए और साल 2011 में इज्जेमाई शादी समारोह में शादी भी कर ली। 2014 के लोकसभा चुनाव में एनसीपी ने नवनीत कौर राणा को अमरावती से टिकट दिया था, लेकिन वह हार गईं। वहीं विपक्षी दलों ने उसके जाति प्रमाण पत्र को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे।

चुनावी घोषणापत्रों में आधी आबादी के मुद्दे, प्रमुखता से शामिल किए जा रहे महिलाओं से जुड़े मुद्दे

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में कमोबेश हर राज्य के चुनावों में महिलाओं से जुड़े मुद्दे राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणापत्रों में प्रमुखता से शामिल किए जा रहे हैं। इस कड़ी में बंगाल से लेकर तमिलनाडु और असम तक में यही रुझान देखने को मिल रहा है। भाजपा ने बंगाल में अपनी सरकार बनने पर राज्य सरकार की सभी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही है। साथ ही बेटियों एक लिए केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्र की व्यवस्था और विधवा पेंशन को एक हजार बढ़ाकर से तीन हजार रुपये करने की बात भी कही है। टीएमसी के घोषणापत्र में भी तृणमूल सरकार के फिर से सत्ता में आने पर बंगाल में 1.6 करोड़ से ज्यादा परिवारों की महिला मुखिया को आर्थिक सहयोग देने की बात कही गई है।

तमिलनाडु में एआइडीएमके ने मातृत्व अवकाश का समय नौ महीने से बढ़ाकर एक साल करने, बसों में यात्र करने वाली महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशत छूट देने और मुफ्त वाशिंग मशीन, सोलर कुकिंग स्टोव देने का वादा किया है तो डीएमके ने भी मातृत्व अवकाश की अवधि एवं सहायता बढ़ाने और

एलपीजी सिलिंडर सब्सिडी देने जैसे वादे किए हैं। असम में महाजोत महागठबंधन ने सत्ता में आने पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 50 फीसद आरक्षण सुनिश्चित किए जाने की बात कही है तो केरल में सत्ताधारी दल लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए राज्य की सभी गृहिणियों को पेंशन देने की बता कही है। कांग्रेस ने असम में उसकी सरकार बनने पर गृहिणियों को प्रतिमाह 2000 रुपये देने की घोषणा की है। बंगाल में 49 फीसद महिला मतदाता हैं। आंकड़ों के अनुसार असम में महिला वोटर्स की संख्या 1.14 करोड़ से ज्यादा है। 2011 की जनगणना के अनुसार तमिलनाडु में महिलाओं की आबादी राज्य की कुल जनसंख्या की आधी है। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं कि महिला मतदाता जिस राजनीतिक दल के पाले में जाएंगी उसके लिए सरकार बनाने का रास्ता आसान होगा। यही वजह है कि मातृत्व अवकाश बढ़ाकर, नौकरियों में आरक्षण, पेंशन देकर और यात्र, रसोई गैस एवं शिक्षा जैसी सुविधाओं को निःशुल्क या छूट के साथ उपलब्ध करवा कर हर वर्ग हर उम्र की महिलाओं को साधने के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल हाल के वर्षों में आम चुनावों से लेकर राज्य स्तरीय चुनावों तक में महिला मतदाताओं ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यही वजह है कि उनकी सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा से जुड़ी स्थितियों को संबोधित करने वाले मुद्दे अहम हो गए हैं।

श्रीनगर की मशहूर डल झील पर लहराया 70 फीट ऊंचा तिरंगा

अब हर सरकारी स्कूल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी फहराया जाएगा

श्रीनगर। कश्मीर की फिजा अब बदल रही है। सोमवार शाम श्रीनगर की मशहूर डल झील में 70 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया गया। इस मौके पर श्रीनगर के उपमहापौर परवेज कादरी भी मौजूद थे। डल झील की सफाई का अभियान हाल ही में खत्म हुआ है। इसके तहत झील के कई हिस्सों में तिरंगा लगाया गया है। बीते हफ्ते 'आजादी का अमृत महोत्सव' के समारोह में कश्मीर यूनिवर्सिटी में भी 75 साल में पहली बार तिरंगा लहराया गया था। ये वही जगह है, जहां कभी भारत के खिलाफ और कश्मीर की आजादी के हक में प्रदर्शन हुआ करते थे। लेकिन संविधान की धारा-370 के निष्प्रभावी होने के बाद अब माहौल बदला है। सरकार के एक आदेश के अनुसार, कश्मीर के हर सरकारी स्कूल

और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी तिरंगा फहराया जाएगा। साथ ही स्कूलों में एक बोर्ड लगाने के लिए भी कहा गया है। इसमें तिरंगा छपा होगा।

कोरोना का कहर: इस साल पहली बार एक दिन में 276 मौतें, नए केस 47 हजार के पार

नई दिल्ली। कोरोना की नई लहर के कहर के चलते अब मौतों का आंकड़ा भी बढ़ने लगा है। मंगलवार को देश भर में कोरोना संक्रमण से 276 लोगों की मौत हो गई। एक ही दिन में कोरोना से इतने लोगों की मौत का यह इस साल का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके अलावा नए केसों की संख्या भी 47,281 रही है, जो बीते साल 11 नवंबर के बाद किसी एक दिन में मिले सबसे ज्यादा केस हैं। वहीं मौतों की बात करें तो बीते साल 30 दिसंबर के बाद पहली बार इतनी संख्या में लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। 30 दिसंबर को कोरोना संक्रमण की वजह से 300 लोगों की मौत हो गई थी। बीते दो दिनों से तुलना करें तो मौतों के आंकड़े में यह बड़ा उछाल है। कोरोना संक्रमण से 197 लोगों की

मौत का आंकड़ा दर्ज किया गया था, वहीं रविवार को 213 लोग कोरोना के चलते काल के गाल में समा गए थे। इनमें भी सबसे ज्यादा डरावना आंकड़ा महाराष्ट्र का है। बीते 24 घंटे में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 134 मौतें हुई हैं। बीते साल 20 नवंबर के बाद सूबे में कोरोना के चलते यह मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। तब महाराष्ट्र में 155 लोगों की मौत हुई थी। पाबंदियों के बाद भी कोरोना पर लगाम नहीं- कई शहरों में नाइट कर्फ्यू, लॉकडाउन और संस्थानों को बंद करने जैसे कदम उठाने के बाद भी कोरोना के मामलों में हो रहा इजाफा चिंताओं को बढ़ाने वाला है। बता दें कि सीएम उद्धव ठाकरे कई बार यह दोहरा चुके हैं कि यदि कोरोना की लहर पर काबू नहीं पाया गया तो फिर लॉकडाउन का फैसला लिया जा सकता है। महाराष्ट्र के बाद पंजाब पर कहर- उत्तर भारत में पंजाब में कोरोना का कहर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सूबे में मंगलवार को कोरोना के चलते 53 लोगों की ममौत हो गई। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में 20, केरल में 10 और तमिलनाडु में 9 लोगों की मौत की खबर है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 28,699 केस मिले हैं। इससे पहले रविवार को भी सूबे में 30,535 केस मिले थे। अकेले मुंबई शहर में ही लगातार तीसरे दिन 3,000 से ज्यादा नए केस मिले हैं। दिल्ली, हरियाणा और यूपी में भी बढ़ा संकट- राजधानी दिल्ली में भी कोरोना की नई लहर ने हलचल मचा दी है। मंगलवार को 1,101 नए केस दर्ज किए गए हैं।

घर पर ही मनानी होगी होली, दिल्ली, मुंबई, यूपी, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों ने जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के कहर के चलते होली के रंग में भी भंग पड़ता दिख रहा है। समाज का पर्व कहे जाने वाले होली को भी इस बार समूह में मनाने से बचना होगा। दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों और शहरों में प्रशासन ने होली को लेकर गाइडलाइंस जारी की हैं। ऐसे में त्योहार मनाने के साथ ही इन गाइडलाइंस का ध्यान भी रखना होगा ताकि रंग में भंग की स्थिति न पैदा हो। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को ही आदेश दिया है कि सार्वजनिक जगहों पर होली समेत दूसरे आयोजन मनाने पर रोक रहेगी। डीडीएमए ने अपने आदेश में कहा है कि दिल्ली में कोरोना के केसों में लगातार इजाफा हो रहा है और सार्वजनिक जगहों पर उत्सव मनाने के लिए लोगों के जमा होने से कोरोना के फैलाव का खतरा बढ़ जाएगा। ऐसे में यह फैसला लिया जा रहा है कि सार्वजनिक जगहों पर होली समेत दूसरे आयोजन मनाने पर रोक रहेगी।

डीडीएमए ने जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित अथॉरिटी को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए सार्वजनिक जगहों पर उत्सव मनाने के लिए लोगों को जमा नहीं होने दिया जाए। इसके साथ ही स्क्रीनिंग, टेस्टिंग, आइसोलेशन और सर्विलांस के नियमों का सख्ती से पालन करने का आदेश जारी किया गया है। यही नहीं नवरात्रि और शब-ए-बारात जैसे पर्वों को भी

सार्वजनिक तौर पर न मनाने की हिदायत दी गई है। इसके अलावा बीएमसी ने भी मुंबई में सार्वजनिक तौर पर होली मनाने पर रोक का आदेश दिया है। बीएमसी ने मंगलवार को घोषणा की कि 28 और 29 मार्च को निजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर होली मनाने की अनुमति नहीं होगी। बीएमसी की ओर से जारी सर्कुलर मेंकहा गया है कि उल्लंघनकर्ताओं पर महामारी रोग अधिनियम-1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ष्टरू योगी भी जारी कर चुके हैं गाइडलाइंस-इससे पहले यूपी सरकार ने भी सोमवार को ही होली से जुड़ी गाइडलाइंस जारी की थीं। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मीटिंग के बाद फैसला लिया गया था कि सार्वजनिक स्थानों पर होली खेलने पर रोक रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि पर्व और त्योहारों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन कोविड संक्रमण को देखते हुए लोगों को जागरूक किया जाए। बिना स्थानीय प्रशासन की पूर्वानुमति के कोई भी जुलूस तथा कार्यक्रम या सार्वजनिक समारोह आयोजित न किए जाएं। इन आयोजनों में हाई रिस्क कैटेगरी जैसे 10 वर्ष की उम्र से कम के बच्चों, 60 वर्ष से अधिक के वृद्धजन और एक से अधिक गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों आदि को शामिल होने से बचाया जाए।

स्क्क में लॉकडाउन के बीच होलिका दहन- इसके अलावा संक्रमण फैलने की रफ्तार कम न होने से मध्यप्रदेश और गुजरात सरकार ने त्योहार के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत भीड़ में होली खेलने पर रोक रहेगी। मध्यप्रदेश सरकार ने हर रविवार को लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। होलिका दहन रविवार को ही होने की वजह से वैसे भी लॉकडाउन लगा रहेगा।

चंडीगढ़ में होली पर लागू रहेंगी पाबंदियां-केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी होली पर सार्वजनिक समारोह नहीं किए जा सकेंगे। प्रशासन के मुताबिक, क्लब, होटल, रेस्टोरेंट को होली के लिए किसी भी तरह के प्रोग्राम करने की अनुमति नहीं होगी। चंडीगढ़ भी उन शहरों में से एक रहा है, जहां कोरोना के ज्यादा मामले मिले हैं।

गुजरात के डिप्टी सीएम की सलाह, भीड़ में होली से बचें-गुजरात सरकार ने होली मनाने की इजाजत दी है, लेकिन कुछ शर्तों भी लगाई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर मंडराता संकट

सरकार ने आगामी 1 अप्रैल से कोविड-19 टीकाकरण अभियान में नए आयु वर्ग को शामिल करते हुए अब 45 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों को टीके लगवाने की इजाजत दे दी है। यकीनन, यह सुकूनदेह खबर है और इससे टीकाकरण की रफ्तार बढ़ेगी। अब तक 60 साल से ऊपर के ही सभी लोगों को यह सुविधा हासिल थी। अलबत्ता, दूसरे गंभीर रोगों के कमउम्र मरीजों को भी टीके लगवाने की छूट थी। लेकिन जिस तेजी से देश में फिर से संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इसका दायरा बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्र से अपील की थी कि नौजवानों को भी टीके लगवाने की इजाजत दी जाए। पंजाब उन सूबों में एक है, जहां कोरोना की नई लहर ज्यादा चिंता पैदा कर रही है। हालात की गंभीरता का अंदाज इसी से लग जाता है कि मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि राज्य में पहले ही कई पाबंदियां लगी हैं और यदि लोग कोविड-प्रोटोकॉल के प्रति संजीदा नहीं हुए, तो सरकार और प्रतिबंधों के लिए बाध्य होगी। आज से ठीक एक साल पहले भारत में पहले लॉकडाउन की शुरुआत हुई थी। उसके बाद देश किन-किन कठिनाइयों से जूझा, उसे याद दिलाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हम सबके जेहन से वह अभी उतरा भी नहीं है। लेकिन टीकाकरण अभियान की शुरुआत के समय देश-दुनिया के तमाम विशेषज्ञों ने आगाह किया था कि टीके के साथ-साथ एहतियाती उपाय जारी रहने चाहिए, मगर उस मोर्चे पर हुई लापरवाही की तस्दीक आंकड़े कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों में देश में नए पॉजिटिव मामलों की संख्या 40,700 के ऊपर चली गई है। अकेले महाराष्ट्र में लगभग 25,000 मामले रोजाना आने लगे हैं। पंजाब, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तमिलनाडु मं भी तेज उभार दिख रहा है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि यदि अगले कुछ दिनों में भी यह वृद्धि जारी रही, तो राज्य सरकार मुंबई और कुछ अन्य शहरों में पूर्ण लॉकडाउन जैसे विकल्प पर विचार करेगी। यानी एक साल बाद आज हम फिर उसी मोड़ पर खड़े हैं, जहां एक अनिश्चितता हमारे ऊपर डोलने लगी है। तब तो हमारे पास कोई दवा, वैक्सीन नहीं थी, जबकि आज देश में करीब पांच करोड़ लोगों को टीके की पहली खुराक मिल चुकी है, बल्कि कई लोगों को तो दोनों खुराकें मिल चुकी हैं और अब रोजाना टीके लेने वालों की तादाद भी 30 लाख के पार जा चुकी है। ऐसे में, इस समय देश को अपने नागरिकों के सच्चे सहयोग की दरकार है। कोविड-प्रोटोकॉल का ईमानदारी से निबाह ही इस समय सबसे बड़ा देशप्रेम है। याद रखें, लॉकडाउन जैसी कोई भी स्थिति सबसे ज्यादा मध्यवर्ग, निम्न मध्यवर्ग और गरीबों के लिए मारक होगी। पिछले एक साल में इन वर्गों की माली हालत खस्ता हो चुकी है। आर्थिक गतिविधियों के धीरे-धीरे पटरी पर लौटने के साथ उनकी उम्मीदें भी जीने लगी थीं, तब इस नई लहर ने चिंता बढ़ा दी है। जिन सूबों में यह वायरस सबसे तेजी से पांव फैला रहा है, वे देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले अहम प्रदेश हैं।

गणेश शंकर विद्यार्थी: जिनकी लेखनी से कांपती थी अंग्रेज सरकार

बलिदान दिवस विशेष - योगेश कुमार गोयल

गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता जगत के ऐसे महान पुरोधा थे, जिनकी लेखनी से ब्रिटिश सरकार भयभीत रहती थी। उनके क्रांतिकारी लेखन के लिए उन्हें अंग्रेज सरकार द्वारा पांच बार सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा दी गई। उनकी कलम में ऐसी ताकत थी जिसने ब्रिटिश शासन की नींद हराम कर दी थी। जब उनकी कलम चलती थी तो ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिल जाती थी। उनकी बेमिसाल पत्रकारिता के कारण ही गणेश शंकर विद्यार्थी और उनका अखबार 'प्रताप' आज के दौर में भी पत्रकारिता जगत के लिए आदर्श माने जाते हैं। वह एक निर्भीक पत्रकार, समाजसेवी, महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। वे स्वयं तो उच्च कोटि के पत्रकार थे ही, उन्होंने अनेक युवाओं को लेखक, पत्रकार तथा कवि बनने की प्रेरणा और ट्रेनिंग दी। कांग्रेस के विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने तथा ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारों के विरुद्ध 'प्रताप' में निर्भीक लेख लिखने के कारण वे पांच बार जेल गए। जब भी उन्हें अंग्रेज सरकार द्वारा गिरफ्तार किया जाता तो उनकी अनुपस्थिति में 'प्रताप' का सम्पादन माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सरीखे साहित्य के दिग्गज संभाला करते थे। 26 अक्तूबर 1890 को उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में एक स्कूल हेडमास्टर जयनारायण के घर जन्मे विद्यार्थी जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू तथा अंग्रेजी में हुई। इलाहाबाद में शिक्षण के दौरान ही उनका झुकाव पत्रकारिता की ओर हुआ। हिन्दी साप्ताहिक 'कर्मयोगी' के सम्पादन में वे पंडित सुन्दर लाल की सहायता करने लगे। कानपुर में अध्यापन के दौरान उन्होंने कर्मयोगी सहित कई और अखबारों में लेख लिखे और पत्रकारिता के जरिये स्वाधीनता आन्दोलन से गहरे जुड़ गए। कुछ समय बाद उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते 'विद्यार्थी' उपनाम अपना लिया और गणेश शंकर से 'गणेश शंकर विद्यार्थी' हो गए। उनकी उत्कृष्ट लेखन शैली से प्रभावित होकर हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोधा पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1911 में अपनी साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' में उपसम्पादक के पद पर कार्य करने का ऑफर दिया किन्तु विद्यार्थी जी को ज्वलंत समाचारों, समसामयिक तथा राजनीतिक विषयों में ज्यादा दिलचस्पी थी, इसलिए उन्होंने द्विवेदी जी का प्रस्ताव स्वीकारने के बजाय महामना पं. मदन मोहन मालवीय के हिन्दी साप्ताहिक 'अभ्युदय' में नौकरी ज्वाइन की।9 नवम्बर 1913 को उन्होंने एक क्रांतिकारी पत्रकार के रूप में कानपुर से स्वयं 'प्रताप' नामक पत्रिका निकालना शुरू कर दिया। प्रताप के जरिये विद्यार्थी जी किसानों, मजदूरों और ब्रिटिश अत्याचारों से कराहते गरीबों का दुख-दर्द उजागर करने लगे। ब्रिटिश शासनकाल की उत्पीड़न और अन्याय की क्रूर व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना उनकी पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण अंग था, जो ब्रिटिश हुकूमत को फूटी आंख न सुहाया और इसीलिए अपनी इसी क्रांतिकारी पत्रकारिता का खामियाजा उन्हें कई मुकद्दमों, भारी जुर्माने और कई बार जेल जाने के रूप में भुगतना पड़ा। 1920 में उन्होंने 'प्रताप' का दैनिक संस्करण निकालना शुरू कर दिया, जो मूलतः किसानों, मजदूरों और पीड़ितों का हिमायती समाचारपत्र बना रहा। उन्होंने 'प्रताप' के अलावा 'प्रभा' नामक एक साहित्यिक पत्रिका तथा एक राजनीतिक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया। घटना जनवरी 1921 की है, जब रायबरेली के एक ताल्लुकदार सरदार वीरपाल सिंह ने किसानों पर गोलियां चलावाई थी। 'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी ने उस घटनाक्रम का पूरा विवरण अपने अखबार में छापा, जिसके लिए उन्हें तथा 'प्रताप' छापने वाले शिवनारायण मिश्र पर मानहानि का मुकद्दमा दर्ज किया गया और उन्हें जेल हो गई। 16 अक्तूबर 1921 को विद्यार्थी जी ने स्वयं गिरफ्तारी दी और 22 मई 2022 को जेल से रिहा हुए। जेल में रहते हुए उन्होंने एक डायरी लिखी और रिहाई के बाद उन्होंने उसी पर आधारित 'जेल जीवन की झलक' नामक एक ऐसी श्रृंखला छापी, जिसे अत्यधिक पसंद किया गया और 'प्रताप' के साथ पाठकों का काफिला जुड़ता गया। उसके बाद तो अंग्रेजों ने उन्हें वक्त-बेवक्त लपेटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा लेकिन विद्यार्थी अपने क्रांतिकारी विचारों से जरा भी नहीं डिगे।जेल से रिहाई के कुछ ही समय बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फिर गिरफ्तार कर लिया गया और 1924 में तब रिहा किया गया, जब उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया था। 1925 में राज्यसभा विधानसभा चुनाव में वे कानपुर से चुने गए और कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए लेकिन 1929 में उन्होंने पार्टी की मांग पर त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद वे 1930 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुन लिए गए और उन्हें प्रदेश भर में सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व करने की अहम जिम्मेदारी दी गई। उसी दौरान उन्हें फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और गांधी-इरविन पैक्ट के बाद 9 मार्च 1931 को उनकी जेल से रिहाई हुई। स्वाधीनता संग्राम के उस दौर में हिन्दू-मुस्लिम एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे थे लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने दोनों समुदायों की भावनाओं को भड़काने का ऐसा खेल खेला कि जगह-जगह हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे भड़कने लगे और देशभर में साम्प्रदायिक हिंसा फैलने लगी। कानपुर शहर भी साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस उठा। गणेश शंकर विद्यार्थी का मन इन दंगों से बड़ा व्यथित हुआ। वे स्वयं इन दंगों को रोकने तथा दोनों समुदायों में भाईचारा कायम करने के लिए लोगों को समझाते हुए घूमने लगे। कई जगहों पर वे लोगों को समझाने में सफल भी रहे और इन दंगों के दौरान उन्होंने हजारों लोगों की जान भी बचाई लेकिन वे स्वयं दंगाइयों की एक ऐसी टुकड़ी में फंस गए. जो उन्हें पहचानते नहीं थे। उसके बाद उनकी बहुत खोज की गई किन्तु वे कहीं नहीं मिले। आखिर में उनका पार्थिव शरीर एक अस्पताल में लाशों के ढेर में पड़ा मिला, जो इतना फूल गया था कि लोग उसे पहचान भी नहीं पा रहे थे। हजारों लोगों की जान बचाने के बावजूद गणेश शंकर विद्यार्थी स्वयं धार्मिक उन्माद की भेंट चढ़ गए। इस प्रकार 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी दिए जाने के दो ही दिन बाद देश ने 25 मार्च 1931 को अपनी कलम की ताकत से ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ाने वाला निर्भीक, निष्पक्ष, ईमानदार, यशस्वी व क्रांतिकारी पत्रकार भी खो दिया। 29 मार्च 1931 को उनका अंतिम संस्कार किया गया।गणेश शंकर विद्यार्थी जीवन पर्यन्त जिस धार्मिक कट्टरता तथा उन्माद के खिलाफ आवाज उठाते रहे, वही धार्मिक उन्माद उनकी जिंदगी लील गया। 27 अक्तूबर 1924 को विद्यार्थी जी ने 'प्रताप' में 'धर्म की आड़' शीर्षक से लेख में लिखा था, ''देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पात किए जा रहे हैं। लोग धर्म का मर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग कुछ भी समझते-बूझते नहीं हैं। दूसरे लोग इन्हें जिधर जोत देते हैं, ये लोग उधर ही जुत जाते हैं।'' वह गणेश शंकर विद्यार्थी ही थे, जिन्होंने श्यामलाल गुप्त पार्षद लिखित गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' को जलियांवाला हत्याकांड की बरसी पर 13 अप्रैल 1924 से गाया जाना शुरू करवाया था। ऐसे क्रांतिकारी पत्रकार और महान् स्वाधीनता सेनानी को उनके बलिदान दिवस पर शत-शत नमन।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

फ्रेडरिक इरीना: गौ-सेवा के मामले में मिसाल बनीं जर्मन महिला

- देवेन्द्रराज सुथार

दुनिया भर में ब्रजवासियों और ब्रज को गौ-सेवा के लिए जाना जाता है, लेकिन गौ समाधि स्थल के लिए जर्मन महिला फ्रेडरिक इरीना ब्रूनिंग लंबी लड़ाई लड़ रही हैं। इससे पहले ब्रज में इस तरह की मांग शायद ही किसी ने की होगी। उनके द्वारा छह महीने पहले जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया था। जिसमें मृत गायों के लिए भूमि आवंटन का प्रस्ताव रखा गया था। जिलाधिकारी ने इस प्रस्ताव पर विचार का आश्वासन दिया था लेकिन अभीतक किसी तरह की प्रगति नहीं हुई है। बूढ़ी होने के बाद गाय जब दूध देना बंद कर देती है, तब लोग उसे छोड़ देते हैं। ऐसे में फ्रेडरिक इरीना ब्रूनिंग गायों को एक जगह लाकर उनकी सेवा करती हैं। वह बीमार और घायल गायों का उपचार करती हैं और उन्हें अपनी गौशाला में रखती हैं। उन्हें दूरदराज से फोन आते हैं। वह बीमार और घायल गायों को ले आती हैं अगर वह किसी तरह उन्हें बचा नहीं पातीं और गाय मर जाती है तो गाय को समाधि देने का संकट खड़ा हो जाता है। वह पास में वन विभाग की जमीन पर गायों को समाधि देती हैं। लोग इसपर नाराजगी जताते हैं। उनके झगड़े होते हैं, केस हो जाते हैं। यहां तक कि उन्हें हाईकोर्ट में भी इसके लिए मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। वह चाहती हैं कि गायों की समाधि के लिए स्थान तय किया जाए। उल्लेखनीय है कि फ्रेडरिक इरीना ब्रूनिंग का जन्म 2 मार्च, 1958 को जर्मनी के बर्लिन शहर में हुआ था। इनके प्रेरणादायी कार्यों के लिए लोग इन्हें 'बछड़ों की मां' कहते हैं और ब्रज समेत पूरे भारतवर्ष में 'सुदेवी दासी' या 'सुदेवी माता' के नाम से पुकारी जाती है। 1978 में महज 20 साल की उम्र में फ्रेडरिक भारत आईं थीं। उस वक्त वह थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और नेपाल की सैर पर निकली थीं। उन्हें कोई अंदाजा नहीं था कि भारत आकर वह यहीं की होकर रह जाएंगी। वह भारत यात्रा के दौरान ब्रज आईं और यहीं रहने लगीं। यहां उन्होंने गाय खरीदी। ब्रज आने के बाद से उनकी जिंदगी बदल गई। उन्होंने न केवल गायों पर आधारित कई किताबें पढ़ीं बल्कि हिंदी भी सीखी। ब्रज में उन्होंने एक गौशाला की शुरुआत की थी। 41 सालों में उन्होंने दस-बीस नहीं बल्कि लाखों गायों की सेवा की है। फ्रेडरिक इरीना ब्रूनिंग ने अपने देश से 7000 किमी दूर मथुरा में नया धर्म अपना लिया है। वे संन्यासियों-सा जीवन जीती हैं। भगवान का भजन करती हैं और गायों की सेवा। इसके लिए उन्होंने कौन्हाई गांव में 3 एकड़ जमीन किराए पर ली है। सुरभि गौसेवा निकेतन में आसपास कई जिलों से चोटिल, बीमार गाय और बछड़े और गोवंश लाए जाते हैं। डॉक्टरों और सेवकों की टीम उनका इलाज करती है। उन्होंने गोवर्धन के राधाकुंड में राधा सुरभि गोशाला ट्रस्ट में गायों की देखभाल और वहां उनके उपचार का काम करती हैं। वह राधा सुरभि गोशाला ट्रस्ट की अध्यक्ष भी हैं। उनका नाम वर्ष 2019 की शुरुआत में एकबार सुर्खियों में तब आया जब भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में एक पद्म पुरस्कार की सूची में उनका नाम शामिल किया। गायों की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री सम्मान दिया गया है। वर्तमान में फ्रेडरिक के पास 1200 गाये हैं, जो दूध नहीं देतीं। वह गौ सेवा के काम में हर महीने 25 लाख रुपये खर्च करती हैं। कुछ पैसा उन्हें दान से मिल जाता है, तो कुछ पैसा वह अपनी पुश्तैनी संपत्ति से इस्तेमाल करती हैं। उनकी गौशाला में करीब 60 लोग काम करते हैं। लोग भी गाय की सेवा के लिए दान करते हैं। फ्रेडरिक की संपत्ति बर्लिन में स्थित है। वहां से आने वाले किराए के पैसों से वह गौशाला का खर्चा निकालती हैं। फ्रेडरिक के पिता जर्मनी के एक बड़े अधिकारी भी रहे थे। उनके पिता ने दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास में भी कार्य किया। वो भी लगातार राधाकुंड में गौसेवा के लिए आते रहे। भारत में माता कही जाने वाली गाय आज तिल-तिल मरने को मजबूर है। सड़क हादसे में रोजाना पांच से छह गौवंश चोटिल हो रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं। गोशालाओं में लावारिस गायों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनमें ज्यादातर वे हैं जो रात के समय सड़कों पर दुर्घटना में घायल हो रही हैं। इलाज के अभाव में ये गायें दम तोड़ रही हैं। ऐसे में गौसेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाली फ्रेडरिक इरीना ब्रूनिंग नजीर हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नजरिया

गरमियों से पहले ही डराने लगा यमुना का पानी

पंकज चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

पिछले छह महीने में कोई 16 बार यमुना के पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने से राजधानी दिल्ली में पानी की किल्लत होती रही है। अक्सर दिल्ली सरकार हरियाणा से ज्यादा पानी मांगती है, न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट जाती है, लेकिन हकीकत यह है कि इस बार यमुना में पानी ही कम है। हरियाणा में पिछले 30 साल के सबसे निचले स्तर पर है यह। हालांकि, फरवरी के अंतिम सप्ताह तक उत्तराखंड के पहाड़ों पर बर्फ भी गिरी और बरसात भी हुई, लेकिन मार्च के पहले सप्ताह में ही यमुना ने दिल्ली आने से पहले दम तोड़ दिया। यमुना में 1,000 क्यूसेक पानी कम हो गया है। इसके चलते हरियाणा में नहरों से पानी भेजने की समय-तालिका को 16 दिनों के रोटेशन वाले दो समूहों के स्थान पर आठ दिनों के रोटेशन की अवधि वाले तीन समूहों में बदल दिया गया है। हरियाणा सरकार ने उत्तर प्रदेश को भी अब और पानी देने में अपनी असमर्थता जता दी है। विडंबना यह है कि सरकारें यमुना के सूखने के कारकों पर गंभीरता से विचार करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं। दिल्ली-हरियाणा के बीच हुए अनुबंध के अनुसार, हरियाणा को हर दिन 450 क्यूसेक पानी दिल्ली के लिए छोड़ना चाहिए, लेकिन वह अभी महज 330 क्यूसेक पानी दे पा रहा है। यह सच है कि राजधानी दिल्ली में इस बार गरमियों की दस्तक कुछ पहले हो गई, लेकिन यह इतनी तेज भी नहीं हुई है कि बसंत की मादकता और फागुन की रंगत ही घुल जाए। कहा गया है कि यमुना में पानी की मात्रा मार्च की शुरुआत में ही अचानक बेहद कम हो गई। यह कमी महज गरमी में पानी के टोटे तक सीमित नहीं है। हो सकता है कि भूगर्भ में ऐसे परिवर्तन हो रहे हों, जिनका खामियाजा यहां के करोड़ों बाशिंदों को जल्दी उठाना पड़े! जल विज्ञानी डॉक्टर एस के बरतरिया का शोध भी बताता है कि सन 1966 से आज तक यमुना-गंगा के उद्गम पहाड़ों से जलप्रवाह में लगभग 50 फीसदी की कमी आई है। जाहिर है, एक तरफ शहर-दर-शहर पानी की मांग बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ उसके स्रोत सिकुड़ते जा रहे हैं। दरअसल, हमारे पहाड़ जलवायु परिवर्तन की भयंकर मार झेल रहे हैं। इस बार ठंड के मौसम में अक्तूबर से खूब बर्फ गिरी, फिर डेढ़ महीने तक सूखा रहा। और फिर, जब अप्रैल का महीना लगा, तब भयानक बर्फ गिरने लगी। बर्फ के अनियमित गिरने और उसके पिघलने के काल में ठंड हो जाने से यमुना के उद्गम से ही जल का आगम कम हुआ। हालांकि, पानी के अचानक गायब होने के पीछे अंधाधुंध भूजल दोहन का भी हाथ हो सकता है। हरियाणा और दिल्ली के आसपास गहरे ट्यूबवेलों की संख्या खतरनाक सीमा तक बढ़ चुकी है। आमतौर पर ट्यूबवेल बारिश या अन्य बाहरी माध्यमों के सीपेज वाटर पर काम करते हैं। जब जमीन के भीतर सीपेज वाटर कम होता है, तब वहां निर्मित निर्वात करीब के जलस्रोत के पानी को तेजी से खींच लेता है। चूंकि यमुना के जलग्रहण क्षेत्र में लाखों-लाख ट्यूबवेल हैं, तो संभव है कि इनमें से कई ट्यूबवेल के पानी का रिचार्ज अचानक यमुना से होने लगा हो। यमुना के पानी के गायब होने का एक और भूगर्भीय कारण बेहद डरावना है। यह सभी जानते हैं कि पहाड़ों से दिल्ली तक यमुना के आने का रास्ता भूकंप के लिहाज से अतिसंवेदनशील श्रेणी में आता है। प्लेट टेक्टोनिक्स (प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत) के अनुसार, भूगर्भ में स्थलमंडलीय प्लेट में हलचल होने से भूकंप आते हैं। भूकंप के झटकों के महीनों बाद तक धरती के भीतर 25 से 60 किलोमीटर नीचे हलचल बनी रहती है। कई बार प्लेट के टकराव के बाद दरारें बन जाती हैं, जिसके कारण भूजल स्रोतों का स्तर बढ़ जाता है या फिर पानी दरारों से होकर पाताल में चला जाता है। यही नहीं, कृत्रिम बांधों के कारण बने जलाशयों में जमा पानी के भार से भूतल पर दबाव बनने और इसके कारण शैल परतों में हलचल होना भी एक भू-वैज्ञानिक तथ्य है, और फिर दिल्ली तक आते-आते यमुना के प्राकृतिक बहाव पर कई जगह दरवाजे लगाए भी गए हैं। यह भविष्य में भयंकर भूकंप आने का इशारा हो सकता है। लिहाजा, यमुना नदी के जलस्तर में अचानक कमी आने की बात को गंभीरता से लेना चाहिए। इसकी वजह सामने आनी चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएमडब्लयू ने 220आई स्पोर्ट कार पेश की, कीमत 37.9 लाख रुपये

नयी दिल्ली, महंगे वाहन बनाने वाली जर्मनी की कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने बुधवार को कहा कि उसने भारत में अपनी श्रृंखला दो ग्रां कूप का पेट्रोल संस्करण 220आई स्पोर्ट पेश की है। इसकी कीमत 37.9 लाख (एक्स-शोरूम) है। कंपनी के बयान के अनुसार बीएमडब्ल्यू समूह के चेन्नई के कारखाने में बने बीएमडब्ल्यू श्रृंखला दो ग्रां कूप 220आई स्पोर्ट पेट्रोल में पेश किया गया है। यह बुधवार से डीलरों के पास उपलब्ध होगी। कूप दो लीटर पेट्रोल इंजन में उपलब्ध है और यह 190 एचपी (अश्व शक्ति) की क्षमता के साथ शून्य से 100 किलोमीटर की रफ्तार 7.1 सेकेंड में पकड़ सकती है।

जायडस कैडिला ने जेनेरिक कोविड-19 दवा के दाम घटाए

नयी दिल्ली, जायडस कैडिला ने रेमडेसिवीर दवा के अपने जेनेरिक संस्करण की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती करने की घोषणा की है। कंपनी ने कोविड-19 की दवा के जेनेरिक संस्करण का दाम घटाकर 899 रुपये प्रति शीशी (100 एमजी) कर दिया है। कंपनी ने अगस्त, 2019 में रेमडैक को देश में पेश किया था। उस समय इंजेक्शन के रूप में दी जाने वाली इस दवा की 100 एमजी की शीशी का दाम 2800 रुपये था। जायडस कैडिला ने बुधवार को बयान में कहा कि रेमडेसिवीर कोविड-19 के इलाज में एक महत्वपूर्ण दवा है। इस कदम से ऐसी मुश्किल के समय मरीजों को काफी मदद मिल सकेगी।

ल्युपिन ने कुंभ मेला में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड पुलिस के साथ साझेदारी की

नयी दिल्ली, दवा कंपनी ल्यूपिन ने बुधवार को कहा कि स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित उसके कारोबार ल्युपिनलाइफ ने हरिद्वार में कुंभ मेले के दौरान स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड पुलिस के साथ साझेदारी की है। ल्युपिन के शेयर बाजार को बताया कि कुंभ मेले के दौरान ल्युपिन लाइफ हरिद्वार में तैनात पुलिसकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के स्वयंसेवकों को पांच लाख ल्युपिसेफ हैंड सेनिटाइजर देगी, ताकि उन्हें कोविड-19 और अन्य संक्रमणों से सुरक्षित रखा जा सके। ल्युपिनलाइफ कंज्यूमर हेल्थकेयर के प्रमुख अनिल कौशल ने कहा, ''उत्तराखंड पुलिस के साथ साझेदारी करके हम खुश हैं, जो इस विशाल आयोजन का सफलतापूर्वक प्रबंध कर रहे हैं।''

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम ऐतिहासिक विकास के दौर से गुजर रहा है-संधू

वाशिंगटन, अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत का डिजिटल इकोसिस्टम ऐतिहासिक विकास के दौर से गुजर रहा है और अमेरिकी कंपनियों को इन नए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। संधू ने सिलिकॉन वैली के प्रमुख निकाय बे एरिया काउंसिल की वार्षिक 'वाशिंगटन डीसी विजिट' के दौरान उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत के डिजिटल क्षेत्र का तेजी से रूपांतरण हो रहा है। उन्होने कहा कि स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलने के साथ ही थोक और फुटकर कारोबार के तरीके में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में 2023 तक करीब 70 करोड़ स्मार्टफोन और 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता होंगे। कोविड-19 के चलते लागू रोकथाम इस बार बे एरिया काउंसिल के वाशिंगटन डीसी विजिट को आभारी रूप से आयोजित किया गया।

माइक्रोसॉफ्ट ने 29 मार्च से मुख्यालय फिर से खोलने की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रोसॉफ्ट ने सोमवार को अपने रेडमंड, वाशिंगटन स्थित मुख्यालय और आसपास के परिसरों को धीरे-धीरे फिर से खोलने की घोषणा की। कंपनी ने 29 मार्च से छह-चरण की हाइब्रिड कार्यस्थल रणनीति के साथ मुख्यालय खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि चौथा और पांचवां चरण उन वर्कर्स के लिए सीमित या संवर्धित विकल्प प्रदान करता है, जो साइट का विकल्प चुनते हैं। वहीं पहले से पांचवें चरण तक कर्मचारियों को दूरस्थ रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और ऐसा नहीं लगता कि उन्हें वापस लौटने की आवश्यकता है।माइक्रोसॉफ्ट के कार्यकारी उपाध्यक्ष कर्ट डेलबेन ने एक बयान में कहा, छठे चरण में कोविड-19 अब स्थानीय समुदाय पर एक महत्वपूर्ण बोझ नहीं है और यह खुद पर मौसमी फ्लू जैसे एक स्थानिक वायरस की तरह अधिक प्रस्तुत करता है। डायल के इस अंतिम चरण में, अधिकांश महामारी-विशिष्ट कार्य स्थल की आवश्यकताओं और रोकथाम के उपायों को हटा दिया गया है और लगभग सभी कैंपस सेवाओं को वापसी के लिए सक्षम किया गया है। रेडमंड-आधारित मुख्यालय के मामले में, 29 मार्च के लिए बनाई गई शिप्ट स्टेज 3 से स्टेज 4 तक डायल पर एक कदम का प्रतिनिधित्व करेगी। कंपनी ने कहा कि हाइब्रिड कार्यस्थल की रणनीति दोनों दिशाओं में जा सकती है - एक कार्य स्थल को आगे बढ़ाना, जब स्थानीय रोग जैसे बोझ में सुधार होता है और जब हम प्रगति में गिरावट का निरीक्षण करते हैं तो वापस डायल भी करते हैं। कंपनी ने कहा, प्रत्येक चरण को डेटा-चालित मानदंड (मामलों और मौतों एवं सरकारी दिशानिर्देश) के साथ-साथ साइट तत्परता आकलन द्वारा निर्धारित किया जाता है और इसके साथ निर्धारित नीतियों और कार्यों का एक सेट होता है। वर्तमान में, 21 देशों में माइक्रोसॉफ्ट कार्य स्थल अपनी सुविधाओं में अतिरिक्त श्रमिकों को समायोजित करने में सक्षम हैं, जो उसकी वैश्विक कर्मचारी आबादी का लगभग 20 प्रतिशत है।

अडाणी ट्रांसपोर्ट को तेलंगाना में एनएचएआई से 1,040 करोड़ रुपये का ठेका मिला

नयी दिल्ली, अडाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड (एआरटीएल) ने बुधवार को कहा कि उसे तेलंगाना में एनएचएआई से 1039.90 करोड़ रुपये का राजमार्ग ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, ''हमें आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एआरटीएल को हायर एन्युटी मोड (एचएएम) पर भारतमाला पारियोजाना के तहत तेलंगाना में कोडाड से खम्मम तक एनएच-365ए को चार लेन बनाने के लिए एक पत्र (एलओए) मिला है।'' बयान में बताया गया कि परियोजना की लागत 1,039.90 करोड़ रुपये है। बयान में आगे कहा गया कि परियोजना की निर्माण अवधि दो वर्ष है, जबकि इसकी परिचालन अवधि 15 वर्ष है।

Lockdown के दौरान इंडिगो एयरलाइंस को हुआ बड़ा नुक्सान, रिफंड किए यात्रियों के 130 करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क। सस्ती विमानन सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी इंडिगो ने बुधवार को कहा कि उसने लॉकडाउन के दौरान रद्द होने वाले 99.95 प्रतिशत टिकटों के लिए धन वापसी की है। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए पिछले साल 25 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था, जिसके चलते करीब दो महीने तक विमानन सेवाएं बंद रहीं। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल सितंबर में सभी विमानन कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे उन यात्रियों को पूरी धनराशि 31 मार्च 2021 तक वापस करें, जिनकी उड़ानें लॉकडाउन अवधि (25 मार्च 2020 से 24 मई 2020) के दौरान रद्द कर दी गई थीं।

रिफंड किए 1,030 करोड़ रुपए

इंडिगो ने एक बयान में कहा, 'मई 2020 में परिचालन फिर से शुरू होने के बाद इंडिगो उन ग्राहकों को तेजी से धन वापसी कर रहा है, जिनकी उड़ानें लॉकडाउन के दौरान रद्द कर दी गई थीं। विमानन कंपनी ने पहले ही 1,030 करोड़ रुपये के करीब धनराशि वापस की है, जो कुल बकाया राशि का लगभग 99.95 प्रतिशत है।'

बिकवाली के भारी दबाव में 871 अंक लुढ़का सेंसेक्स, निफ्टी 265 अंक फिसला

मुंबई।

देश के शेयर बाजार में बुधवार को फिर भारी गिरावट दर्ज की गई। कमजोर वैश्विक संकेतों से सेंसेक्स 871.13 अंक लुढ़ककर 49,180.31 पर बंद हुआ और निफ्टी भी 265.35 अंकों यानी 1.79 फीसदी की गिरावट के साथ 14,549.40 पर ठहरा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 264.97 अंकों की कमजोरी के साथ 49,786.47 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान 49,120.34 तक फिसला, जबकि इस दौरान सेंसेक्स का ऊपरी स्तर 49,854.58 रहा। सेंसेक्स के 30 में से सिर्फ दो शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 28 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी बीते सत्र से 102.30 अंकों की गिरावट के साथ 14,712.45 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान 14,535 तक फिसला, जबकि निफ्टी का ऊपरी स्तर 14,752.35 रहा। निफ्टी के 50 शेयरों में से सिर्फ तीन शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 47 शेयरों में गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 344.70 अंकों यानी 1.69 फीसदी की गिरावट के साथ 20,090.53 पर बंद हुआ और स्मॉलकैप सूचकांक 332.13 अंकों यानी 1.60 फीसदी की गिरावट के साथ 20,440.92 पर ठहरा। सेंसेक्स के दो बढ़त वाले सूचकांकों में एशियन पेंट (1.44 फीसदी) और पावरग्रिड (0.98 फीसदी) शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में एमएंडएम (3.97 फीसदी), एसबीआईएन (3.38 फीसदी), एक्सिस बैंक (3.33 फीसदी), आईसीआईसीआई बैंक (3.22 फीसदी) और इंडसइंड बैंक (3.07 फीसदी) शामिल रहे।

नए फोन के साथ दक्षिण कोरिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेगी श्याओमी

सोल।

श्याओमी ने कहा कि वह दक्षिण कोरिया में नए मिड रेंज स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। चीनी तकनीकी दिग्गज श्याओमी दक्षिण कोरिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है, क्योंकि ऐसी खबरें सामने आ रही हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि स्थानीय ब्रांड एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक मोबाइल कारोबार से बाहर निकल सकता है। श्याओमी ने कहा कि रेडमी नोट 10 को दक्षिण कोरिया में 30 मार्च को 218,000 वॉन (190 अमेरिकी डॉलर) में लॉन्च किया जाएगा, जबकि रेडमी नोट 10 प्रो 9 अप्रैल को 319,000 वॉन में उपलब्ध होगा। रेडमी नोट 10 प्रो एक क्वाड रियर कैमरा सेटअप के साथ आता है जिसमें 108-मेगापिक्सल का मुख्य शूटर शामिल है। क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 732जी चिपसेट द्वारा संचालित स्मार्टफोन में 6.67-इंच की स्क्रीन है, जो 120 हॉर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करती है। इसमें 5,020 एमएएच की बैटरी दी गई है। रेडमी नोट 10 में पीछे की तरफ चार कैमरे भी हैं, जिसमें 48 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर भी शामिल है और इसमें 6.43-इंच का डिस्प्ले है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडस्ट्री के पर्यवेक्षकों ने कहा है कि इस साल दक्षिण कोरिया में एलजी के हिस्से की बाजार हिस्सेदारी पर श्याओमी अपना कब्जा करना चाहती है, क्योंकि ऐसी आशंका जताई जा रही है कि एलजी स्मार्टफोन व्यवसाय से अपने पैर पीछे खींच रही है। मार्केट ट्रैकर काउंटरप्वाइंट रिसर्च के मुताबिक, एलजी पिछले साल 13 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ दक्षिण कोरिया का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन विक्रेता कंपनी थी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे मजबूत स्थिति में है, जिसके बाद एप्पल इंक 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। विश्लेषकों ने भविष्यवाणी की कि श्याओमी स्थानीय उपभोक्ताओं को मिडरेंज स्मार्टफोन्स के साथ लक्षित करने की योजना में है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में दक्षिण कोरिया के स्मार्टफोन बाजार में 400 डॉलर या उससे कम कीमत वाले स्मार्टफोन का प्रतिनिधित्व 41 फीसदी था। इस बीच श्याओमी ने कहा कि वह दक्षिण कोरिया में टीवी भी लॉन्च करेगा। मी टीवी 4एस 65 इंच और 55 इंच साइज में आएगा, जिसकी कीमत क्रमश- 849,000 और 649,000 वॉन होगी।

ट्रकॉलर ने रिषित झुनझुनवाला को भारत में एमडी नियुक्त किया

नई दिल्ली । स्वीडिश कॉलर आइडेंटिफिकेशन ऐप ट्रकॉलर ने बुधवार को रिषित झुनझुनवाला को भारत में संचालन के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त करने की घोषणा की। वर्तमान में स्वीडन में स्थित कंपनी के मुख्यालय में कार्यरत झुनझुनवाला वापस बेंगलुरू में स्थानांतरित होंगे और कंपनी के पदचिह्न का विस्तार करने और भारत में राजस्व वृद्धि में तेजी लाने के लिए व्यापारिक रणनीतियों का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह मुख्य उत्पाद अधिकारी के रूप में अपनी पिछली भूमिका को भी जारी रखेंगे और दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू में आधारित संचालन की देखरेख करेंगे। ट्रकॉलर के सीईओ और सह-संस्थापक एलन ममेदी ने एक बयान में कहा, हम रिषित जैसा लीडर चाहते थे, जो कंपनी के भीतर अपने 6 साल के व्यापक अनुभव के साथ ग्राहकों, कर्मचारियों और भागीदारों के साथ गहराई से जुड़ सके। झुनझुनवाला 2015 में कंपनी में उत्पाद मामलों के उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए थे और तब से उन्होंने बेहतरीन तरीके से उत्पाद मामलों के विकास का नेतृत्व किया। वह 2020 में मुख्य उत्पाद अधिकारी बन गए।झुनझुनवाला ने कहा, मैं भारत में ट्रकॉलर के साथ अपने अगले उद्यम की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

लॉकडाउन के एक वर्ष: घरेलू विमानन उद्योग की हालत में सुधार, महामारी को लेकर अनिश्चितता बरकरार

नयी दिल्ली,

भारत में घरेलू विमानन क्षेत्र ने कोविड-19 संक्रमण के दौरान पिछले एक वर्ष में कारोबार को हुए नुकसान की तेजी से भरपाई की है, हालांकि महामारी को लेकर अनिश्चितता जारी रहने से गतिरोध बना हुआ है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कई राज्यों ने कोविड-19 महामारी के चलते कुछ प्रतिबंध लगाए हैं और दिशानिर्देशों को सख्त बनाया है। हालांकि, घरेलू बाजार के विपरीत भारत से अंतरराष्ट्रीय विमान यात्राएं सुधार से अभी बहुत दूर हैं, अभी सिर्फ 27 देशों के साथ विशेष व्यवस्था के तहत भारत से चुनिंदा उड़ानों का संचालन ही किया जा रहा है। भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात मार्च-दिसंबर 2020 में 90.56 प्रतिशत घटकर 18.55 लाख हो गया। मोदी सरकार ने पिछले साल 22 मार्च को कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए जनता कर्फ्यू की अपील की थी और इसके अगले दिन भारत ने सभी अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को स्थगित कर दिया। इसके दो दिन बाद देश में पूरी तरह से लॉकडाउन लगा दिया गया और अनुसूचित घरेलू उड़ानों को भी निलंबित कर दिया। लॉकडाउन और महामारी से संबंधित यात्रा प्रतिबंधों ने भारतीय विमानन कंपनियों को बुरी तरह प्रभावित किया। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले महीने राज्यसभा में कहा था कि अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान प्रमुख भारतीय विमानन कंपनियों की आय घटकर 11,810 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 46,711 करोड़ रुपये थी। सभी घरेलू विमानन कंपनियों ने अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए पिछले एक साल में कई कठोर कदम उठाए, जैसे कर्मचारियों के वेतन में कटौती करना और कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेजना। पुरी ने राज्यसभा में बताया कि पिछले साल 31 मार्च को प्रमुख भारतीय विमानन कंपनियों के पूर्णकालिक और अस्थाई कर्मचारियों की संख्या 74,887 थी, जो घटकर 67,906 रह गई।

कोविड-19 लॉकडाउन का एक साल : अभी भी बेरोजगारी समस्या से जूझ रहा भारत

बिजनेस डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी पर काबू पाने के लिए पिछले साल 25 मार्च को लागू किए गए लॉकडाउन के चलते पैदा हुआ आजीविका का संकट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा और एक साल बाद भी भारत बेरोजगारी की समस्या से उबर नहीं पाया है। सरकार ने महामारी के घातक प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाया था, लेकिन इससे आर्थिक और वाणिज्यिक गतिविधियां थम गईं और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा तथा प्रवासी मजदूरों के पलायन ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया।

बेरोजगारी दर के आंकड़े

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2021 में बेरोजगारी की दर 6.9 प्रतिशत रही, जो पिछले साल इसी महीने में 7.8 प्रतिशत और मार्च 2020 में 8.8 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता कि अप्रैल में बेरोजगारी दर 23.5 प्रतिशत तक पहुंच गई थी और मई में यह 21.7 प्रतिशत पर रही। हालांकि, इसके बाद थोड़ी राहत मिली और जून में यह 10.2 प्रतिशत और जुलाई में 7.4 प्रतिशत रही। सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक हालांकि बेरोजगारी की दर पिछले साल अगस्त में फिर बढ़कर 8.3 प्रतिशत और सितंबर में सुधार दर्शाते हुए 6.7 फीसदी हो गई।

16.5 लाख लोगों ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का लाभ उठाया

विशेषज्ञों के मुताबिक सीएमआईई के आंकड़ों में जुलाई के बाद से बेरोजगारी के परिदृश्य में सुधार के संकेत हैं, लेकिन इसमें स्थायित्व केवल विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में सुधार के बाद आएगा।रोजगार की दृष्टि से इस दौरान कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में नए सिरे से रोजगार पैदा करने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन रोजगार के परिदृश्य में लगातार सुधार के लिए बार-बार नीतिगत हस्तक्षेप और जमीनी स्तर पर पहल की जरूरत है। श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार लगभग 16.5 लाख लोगों ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) से लाभ उठाया है। यह योजना अक्टूबर में शुरू की गई थी।

सुशील मोदी ने कहा, अगले आठ से 10 सालों तक तेल को जीएसटी में लाना संभव नहीं

नई दिल्ली:

राज्यसभा में बुधवार को भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि अगले आठ से 10 साल तक पेट्रोल व डीजल को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाना संभव नहीं है क्योंकि इससे राज्यों को दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा। सुशील कुमार मोदी ने उच्च सदन में वित्त विधेयक, 2021 पर चर्चा में भाग लेते हुए ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों पर केंद्र और राज्यों को सामूहिक रूप से पांच लाख करोड़ रुपए मिलते हैं। उनका यह बयान काफी अहम है क्योंकि कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गयी थी। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर काबू के लिए उन्हें जीएसटी के दायरे में लाने की मांग होती रही है।भाजपा नेता ने पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाए जाने की मांग को अव्यवहारिक बताते हुए कहा कि इससे राज्यों को करीब दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा और उसकी भरपाई कैसे होगी। उन्होंने कहा कि अगले आठ से 10 साल तक पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना संभव नहीं है क्योंकि इससे राज्यों को हर साल दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अभी जीएसटी में कर की अधिकतम दर 28 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि अभी की स्थिति में 100 रुपए में 60 रुपए कर के होते हैं। उन्होंने कहा कि इस 60 रुपए में केंद्र को 35 व राज्यों को 25 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा केंद्र के 35 रुपए का 42 प्रतिशत भी राज्य को ही मिलता है। भाजपा सदस्य ने कहा कि जीएसटी को ''गब्बर सिंह टैक्स'' बताया गया और नयी व्यवस्था की आलोचना की गयी लेकिन जीएसटी की बैठकों में कभी भी कांग्रेस शासित राज्यों ने विरोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद में किसी राज्य में जीएसटी के कर ढांचे का विरोध किया।

इसकी पुष्टि जीएसटी परिषद की कार्यवाही से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इसे लागू करना हिम्मत का काम था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इसे लागू किया।

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे टूटकर 72.55 पर बंद

मुंबई,

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर बुधवार को 12 पैसे टूटकर 72.55 (अनंतिम) पर बंद हुई। घरेलू शेयर बाजारों में बड़े स्तर पर बिकवाली और वैश्विक कच्चे तेल के दाम में तेजी का असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार इसके अलावा विदेशी कोषों की निकासी के बीच वैश्विक बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से भी रुपये की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गिरावट के साथ 72.51 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 72.51 से 72.69 के दायरे में घूमा। अंत में यह 12 पैसे टूटकर 72.55 पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 72.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, बीएसई का 30 शेयरों का सेंसेक्स 871.13 अंक की गिरावट के साथ 49,180.31 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 265.35 अंक के नुकसान से 14,549.40 अंक पर आ गया। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल 3.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिर्फ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व का मौका मिलना चाहिए: पेस

मुंबई । दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने तोक्यो ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी शुरू करते हुए कहा कि सिर्फ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को इन खेलों में देश के प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना चाहिए। पेस ने टेनिस प्रीमियर लीग के इतर मंगलवार को यहां कहा कि उन्होंने फ्रेंच ओपन को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। विम्बलडन और तोक्यो ओलंपिक इसके बाद जुलाई-अगस्त में है। उन्होंने कहा- मुझे फ्रेंच ओपन, विम्बलडन और ओलंपिक पता है। निकट भविष्य में इन तीन बड़ी प्रतियोगिताओं पर मैं ध्यान केंद्रित करूंगा। ओलंपिक (1996) में कांस्य पदक जीतने वाले 47 साल के इस खिलाड़ी ने कहा- मैं हमेशा देशभक्त रहा हूं और मानता हूं कि केवल सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना चाहिये। इससे पहले दिसंबर 2019 में पेस ने कहा था कि 2020 पेशेवर सर्किट में उनका आखिरी वर्ष होगा लेकिन कोविड-19 के कारण दुनिया भर में खेल गतिविधियां ठप्प हो गयी। पेस ने कहा कि कोविड-19 के दौरान उन्होंने पूरी तरह से खेल से ब्रेक ले लिया था और पिछले तीन सप्ताह से अभ्यास कर रहे है। उन्होंने कहा- लॉकडाउन के दौरान मुझे परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिला, जिससे मै तरोताजा महसूस कर रहा हूं। मैंने अभ्यास शुरू कर दिया है। तीन सप्ताह में मैंने छह किलो वजन कम किया है और लय में लौट रहा हूं।

ऐश्वर्य को ऐतिहासिक स्वर्ण , महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत का 'क्लीन स्वीप'

नई दिल्ली ।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप के पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री स्पर्धा के फाइनल में ऐतिहासिक स्वर्ण के बाद भारत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के तीनों पदक जीत लिए जिसमें चिंकी यादव ने पहला स्थान हासिल किया। ऐश्वर्य 20 साल की उम्र में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले युवा भारतीय निशानेबाज भी बन गए, उन्होंने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर 462.5 अंक से पहला स्थान हासिल किया और हंगरी के स्टार राइफल निशानेबाज इस्तवान पेनी (461.6) और डेनमार्क के स्टेफेन ओलसेन (450.9) से आगे रहे। चिंकी ने अनुभवी राही सरनोबत के साथ कड़ी प्रतिद्वंद्वी मनु भाकर को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया जिससे भारत ने स्पर्धा तीनों पदक जीत लिए। इस प्रदर्शन से भारत की निशानेबाजी में प्रतिभा की गहराई का भी अंदाजा लग जाता है जिससे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या नौ हो गई। देश के कुल 19 पदक (पांच रजत और इतने ही कांस्य) हो गये हैं। तेईस साल की चिंकी ने समान 32 अंक के कारण हुए शूट-ऑफ में सरनोबत को 4-3 से पछाड़ दिया उन्नीस साल की मनु ने एलिमिनेशन चरण में 28 अंक से कांस्य पदक से संतोष किया जिसके बाद चिंकी और सरनोबत के बीच शीर्ष स्थान के लिये मुकाबला हुआ। ये तीनों निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक के लिये पहले ही कोटा हासिल कर चुकी हैं। चिंकी ने 2019 में दोहा में हुई 14वीं एशियाई चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर रहकर ओलंपिक कोटा जीता था। पहले 20 निशानों में वह 14 के स्कोर से आगे चल रही थी। उनके बाद मनु 13 अंक से दूसरे स्थान पर थीं। फिर भोपाल की निशानेबाज चिंकी ने 21 के स्कोर से बाकियों पर बढ़त बना ली जिसके बाद शुरू में जूझने वाली अनुभवी सरनोबत ने भी वापसी की। फाइनल्स में चिंकी ने दो सही निशानों से शुरूआत की लेकिन फिर दो बार (एलिमिनेशन चरण की दूसरी और छठी सीरीज) पाचों के पांचों निशाने सही लगाए। चिंकी ने कहा- मैंने फाइनल में टाई होने के लिये भी पहले ही ट्रेनिंग की हुई थी, मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ करना था। मुझे इस बारे में नहीं सोचना था कि प्रतिस्पर्धा में कौन मेरे साथ है और उनका स्तर कैसा है। इन तीनों में सबसे अनुभवी सरनोबत ने पहले चरण की तीसरी सीरीज में सभी पाचों निशानों पर अंक जुटाये जिसके बाद एलिमिनेशन में चौथी, सातवीं और नौवीं सीरीज में चार चार निशाने लगाए। तीसरी रैंकिंग की मनु चौथी सीरीज में ही पांचों के पांचों निशाने सही लगा पायी। इससे पहले सुबह ऐश्वर्य ने भारत के लिये दिन की शुरूआत सोने के तमगे से की।

अय्यर के आईपीएल के पहले हाफ में खेलने की संभावना नहीं, इन्हें मिल सकती है दिल्ली की कप्तानी

पुणे ।

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ शुरूआती वनडे में कंधे की हड्डी खिसकने के कारण यहां चल रही श्रृंखला से बाहर हो गए हैं और आगामी दो मैच नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अय्यर के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले हाफ में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। इंग्लैंड की पारी के 8वें ओवर में हुई जब अय्यर ने तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की गेंद पर जॉनी बेयरस्टो के शॉट को रोकने के लिए डाइव लगाई तो उनके कंधे में इंजरी हो गई। वह कंधे को पकड़कर मैदान से बाहर निकल गए और काफी दर्द में दिख रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'उनके आईपीएल के पहले हाफ में खेलने की संभावना नहीं है। मंगलवार को मैच के बाद बीसीसीआई ने कहा था, 'श्रेयस अय्यर के कंधे की हड्डी 8वें ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय खिसक गई थी। उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया है।' आईपीएल 9 अप्रैल से शुरू होने वाला है और अय्यर के हाथों में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी हैं। श्रेयस ने पिछले चरण में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में पहुंचाया था। कंधा खिसकने की इंजरी से उबरने में कम से कम 6 हफ्तों का समय लगता है और अगर सर्जरी करानी पड़ती है तो और ज्यादा समय लगता है। उनकी अनुपस्थिति में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी ऋषभ पंत, ऑस्ट्रेलियाई स्टीव स्मिथ या सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन को सौंपी जा सकती है। वहीं दिल्ली टीम की कप्तानी को लेकर अजिंक्य रहाणे का नाम भी सामने आ रहा है। लेकिन ये सिर्फ कयास हैं और इस पर फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पैरा शूटिंग : नरवाल ने जीता स्वर्ण, बनाया विश्व रिकॉर्ड

अल एन.

मनीष नरवाल ने यहां चले रहे विश्व शूटिंग पैरा विश्व कप में पी4 मिक्सिड 50 मीटर पिस्टल एसएच1 के फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारत का इस टूर्नामेंट में यह दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले सिंघराज ने पी1 पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 इवेंट में स्वर्ण जीता था। 2019 सिडनी विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता नरवाल ने 229.1 अंक लिए और मौजूदा विश्व रिकॉर्ड को तोड़ नया रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले सर्बिया के रास्तको जोकिक ने 2019 में ओसिजेक में 228.6 अंक हासिल कर रिकॉर्ड बनाया था। नरवाल के अलावा ईरान के सारेह जवानमार्डी ने 223.4 अंक लिए। सिंघराज ने 201.7 अंक लेकर कांस्य पदक हासिल किया। टूर्नामेंट के छह दिनों के बाद यूक्रेन चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है जबकि मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तीन स्वर्ण और एक रजत के साथ दूसरे तथा भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य के साथ तीसरे नंबर पर है। अल एन 2021 में 24 देशों के 120 एथलीट भाग ले रहे हैं।

चिंकी यादव को स्वर्ण, भारत ने महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सभी पदक जीते

नई दिल्ली ।

चिंकी यादव ने बुधवार को यहां अनुभवी राही सरनोबत के साथ मनु भाकर को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया जिससे भारत ने आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में तीनों पदक जीत लिए। इससे भारत की निशानेबाजी में प्रतिभा की गहराई का भी अंदाजा लग जाता है। 23 साल की चिंकी ने समान 32 अंक के कारण हुए शूट-ऑफ में सरनोबत को पछाड़ दिया और भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या नौ कर दी। उन्नीस साल की मनु ने डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर 28 अंक से कांस्य पदक हासिल किया। ये तीनों निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक के लिये पहले ही कोटा हासिल कर चुकी हैं। चिंकी ने 2019 में दोहा में हुई 14वीं एशियाई चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर रहकर ओलंपिक कोटा जीता था। पहले 20 निशानों में वह 14 के स्कोर से आगे चल रही थी। उनके बाद मनु 13 अंक से दूसरे स्थान पर थीं। फिर भोपाल की निशानेबाज ने 21 के स्कोर से बाकियों पर बढ़त बना ली जिसके बाद अनुभवी सरनोबत ने भी वापसी की।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग : कोहली चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी की जारी ताजा टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में नाबाद 80 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत वह एक स्थान के सुधार के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं। कोहली ने भारत के एक अन्य बल्लेबाज लोकेश राहुल को पीछे छोड़ यह स्थान प्राप्त किया, जो टी20 सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण एक स्थान लुढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने भी पांचवें मुकाबले में 34 गेंदों पर 64 रन बनाए थे, जिसके दम पर वह भी तीन स्थान उछलकर टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 14वें नंबर पर आ गए हैं। इनके अलावा भारत के श्रेयस अय्यर पांच स्थान के सुधार के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ 26वें रैंकिंग में पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में 57 तथा पांचवें टी20 में 32 रनों की पारी खेली थी और वह 66वें रैंकिंग पर हैं, जबकि पंत 11 स्थान के सुधार के साथ 69वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस बीच इंग्लैंड के डेविड मलान ने बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। जोस बटलर एक स्थान उछलकर 18वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 21वें स्थान से 24वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्दिक पांड्या 78वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद एक स्थान के सुधार के साथ चौथे, तेज गेंदबाज जोफा आर्चर 22वें और मार्क वुड 27वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो चार स्थान के सुधार के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें नंबर पर आ गए हैं। बेयरस्टो ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में 94 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन भी एक स्थान के फायदे के साथ 24वें नंबर पर आ गए हैं। भारत के बल्लेबाज शिखर धवन पहले वनडे में 98 रनों की पारी के दम पर 15वें स्थान पर आ गए हैं जबकि भुवनेश्वर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच स्थान के सुधार के साथ शीर्ष 20 में आ गए हैं।

बेंगलुरु के लिए पहला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे जम्पा

नई दिल्ली. रॉयल्स चेलेंजर्स बेंगलुरु के ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा आईपीएल 2021 में टीम के लिए पहला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, जम्पा अपनी शादी के कारण बेंगलुरु के साथ गत विजेता मुंबई इंडियंस से होने वाले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। बेंगलुरु के क्रिकेट निदेश माइक हेसन ने फ्रेंचाइजी के ट्विटर पेज पर वीडियो पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। हेसन ने बोल्ड डायरिस से कहा, पहले मैच के लिए हमारे पास सभी विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होंगे। जम्पा की शादी होने जा रही है। उनके लिए यह काफी महत्वपूर्ण समय है और इस बात से फ्रेंचाइजी अवगत था। हम इसका सम्मान करते हैं और हमें उम्मीद है कि वह अच्छा समय बिताएंगे।

वनडे टीम से बाहर किए जाने पर बोली शेफाली, महसूस हुआ कि मेरे खेल में कुछ कमी है

लखनऊ ।

भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा टी20 में अपने तेज तर्रार खेल के बावजूद वनडे में अनदेखी किए जाने से निराश नहीं हुई थी और उन्होंने कहा कि इसने उन्हें ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि वह जानती थी कि उनके खेल में कुछ कमी के कारण ऐसा हुआ था। दक्षिण अफ्रीका से मंगलवार को टी20 श्रृंखला में मिली 1-2 की हार के बावजूद 17 साल की खिलाड़ी को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज% चुना गया। तीसरे और अंतिम मैच में उन्होंने 30 गेंद में 60 रन की पारी खेली जिससे भारत ने सांत्वना भरी जीत दर्ज की। शेफाली टी20 में अपनी शानदार फार्म की बदौलत छोटे प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी लेकिन यह भी उन्हें वनडे टीम में स्थान नहीं दिला सकी और वह इसके बारे में कोई शिकायत भी नहीं कर रही हैं। शेफाली ने मैच के बाद ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'जब मुझे वनडे के लिये नहीं चुना गया था तो मुझे महसूस हुआ कि मेरे खेल में कुछ चीज की कमी है। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं कप्तान या कोच के पास इसके बारे में पूछने के लिये नहीं गयी क्योंकि मैं जानती थी कि अगर मेरा नाम इसमें शामिल नहीं है तो शायद यह इसलिए होगा कि मेरे अंदर कुछ कमी होगी।' हरियाणा की इस खिलाड़ी ने कहा कि जब भी उन्हें वनडे से बाहर किया गया है तो उन्होंने खुद को बेहतर खिलाड़ी बनने की ओर प्रयास किया है।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ने विराट कोहली पर लगाया आरोप, कहा- अंपायरों पर डालते हैं दबाव

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली अकसर मैदान पर आक्रामक दिखाई देते हैं और अपने साथियों के लिए अंपायरों से भी भिड़ जाते हैं। इस पर अब इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर डेविड लॉयड ने कोहली के व्यवहार को अपमानजनक करार देते हुए आरोप लगाया कि वह अंपायरों पर दबाव डालते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच में डेविड मलान के विवादित कैच के कारण सूर्यकुमार यादव को अंपायर ने सॉफ्ट सिग्नल के तहत आउट करार दिया था। हालांकि कैमरे में साफ दिखाई दे रहा था कि गेंद जमीन से लगी है। कोहली ने सॉफ्ट सिग्नल पर बयान देते हुए कहा था कि इससे उलझनें पैदा हो रही हैं। लॉयड ने अंपायर्स कॉल के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि अगर अंपायर्स कॉल खत्म हो गया तो इसका गलत असर पड़ सकता है। लॉयड के मुताबिक अगर अंपायर्स कॉल हटाया गया तो टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म हो जाएगा और वनडे मैच 4 घंटे में निपट जाएगा। उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह, जेम्स एंडरसन और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हर पारी में 8 विकेट लेंगे।

टीवी प्रसारण से बढेगी खोखो की लोकप्रियता, कहा महासंघ अध्यक्ष ने

नयी दिल्ली, अल्टीमेट खोखो लीग के टीवी प्रसारण पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बुधवार को कहा कि इससे देश में इस पारंपरिक खेल के प्रति लोगों की रूचि बढेगी । खोखो लीग का सीधा प्रसारण सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया पर किया जायेगा । मित्तल ने कहा ,'' यह खेल हम सभी ने बचपन में खेला है लेकिन समय के साथ साथ इसे भुला दिया गया । अब हालांकि यह फिर आगे बढ रहा है और युवाओं को इसमें कैरियर नजर आ रहा है । उम्मीद है कि यह जल्दी ही ओलंपिक खेल बनेगा।'' उन्होंने कहा ,''इसके टीवी प्रसारण से इसकी लोकप्रियता नयी ऊंचाइयों को छुएगी ।'' हाल ही में अल्टीमेट खोखो ओर भारतीय खोखो महासंघ ने पहली बार देश के खिलाड़ियों के लिये वैज्ञानिक हाई परफॉर्मेंस शिविर का भी आयोजन किया था जो काफी सफल रहा ।

आईसीसी की क्रिकेट समिति ने 'अंपायर कॉल' नियम को बरकरार रखने की सिफारिश की

दुबई ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 'अंपायर कॉल' के नियम के विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की क्रिकेट समिति ने डीआरएस के 'अंपायर कॉल' नियम को बरकरार रखने की सिफारिश की है। आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति की आगामी सप्ताह निर्धारित वर्चुअल बैठक में इस सिफारिश को पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक क्रिकेट समिति की मार्च के शुरुआत में हुई वर्चुअल बैठक में समिति के सदस्यों ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों सहित क्रिकेट के सभी हितधारकों को अंपायर कॉल के नियम और इसके संचालन के बारे में बेहतर तरीके से समझाने की बात पर जोर दिया था। भारतीय कप्तान सोमवार को पुणे में एक बयान में यह कहते-कहते रुक गए थे कि अंपायर कॉल के नियम को खेल से हटा देना चाहिए, लेकिन उन्होंने साथ ही यह कहा था कि इस नियम पर दोबारा से ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इससे काफी उलझनें पैदा हो रही हैं। उनके मुताबिक इस बात पर कोई बहस नहीं होनी चाहिए कि बॉल स्टंप्स को कितना हिट करेगी। विराट ने कहा था, 'मैं तब से क्रिकेट खेल रहा हूं जब कोई डीआरएस नहीं था। यदि अंपायर ने कोई फैसला किया है चाहे बल्लेबाज उसे पसंद करे या न करे, यह बना रहता है और यदि अंपायर किसी को नॉट आउट देता है तो फिर यह मायने नहीं रखता कि वह थोड़े अंतर से है या ज्यादा से। क्रिकेट के आम समझ के नजरिए से मुझे नहीं लगता कि इस पर कोई बहस होनी चाहिए। यदि बॉल स्टंप्स को छूते हुए निकल रही है तो बल्लेबाज को आउट होना चाहिए। चाहे आपको यह पसंद आए या न आए। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व और एंड्रयू स्ट्रॉस, राहुल द्रविड़, माहेला जयवर्धने और शॉन पोलॉक जैसे पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों, मैच रेफरी रंजन मदुगले, अंपायर रिचर्ड इलिंगवॉर्थ और मिकी आर्थर की मौजूदगी वाली क्रिकेट समिति ने अन्य मैच अधिकारियों, प्रसारकों और बॉल-ट्रैकिंग प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता' हॉक-आई' से इस बारे में सुझाव लिए हैं और थोड़ी बहस के बाद समिति ने फैसला किया है कि अंपायर कॉल नियम को बने रहना चाहिए, क्योंकि यह माना गया है कि बॉल-ट्रैकिंग तकनीक 100 फीसदी सही नहीं हो सकती।

भारत की युवा फुटबाल टीम ओमान का सामना के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम गुरुवार को यहां ओमान के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी से मिलने वाली कड़ी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। भारतीय फुटबॉल टीम ने अपना पिछला मुकाबला करीब 15 महीने पहले नवंबर 2019 में 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स में ओमान के खिलाफ ही खेला था। ओमान के खिलाफ होने वाला यह मैच दुबई के मकतूम बिन राशिद स्टेडियम में बिना दर्शकों के ही खेला जाएगा। दुबई दौरे पर विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम को विश्व रैंकिंग में 81वें नंबर काबिज ओमान के बाद 74वें नंबर पर काबिज यूएई के खिलाफ भी अगला मुकाबला खेलना है और ये दोनों मैच एक अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना मुकाबले की तरह ही हैं। भारत की इस 27 सदस्यीय टीम में 10 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक अपना इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है। कोच इगोर स्टीमाक के मार्गदर्शन वाली इस टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी हैं, जिनकी औसत आयु 24 साल से ऊपर और 25 साल से कम है। इनमें से 13 खिलाड़ी 25 साल से नीचे के हैं। भारतीय टीम अपने पिछले मुकाबले में ओमान के खिलाफ एक समय 1-0 से आगे चल रही थी। लेकिन अंतिम मिनटों में दो गोल खाने के कारण टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। स्टीमाक ने बुधवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ओमान के खिलाफ पहला मैच काफी अहम था, उस मैच से फैसला होना था कि हम ग्रुप में पहले दो स्थान (और अगले दौर के लिये क्वालीफाई करने) के लिए मुकाबला करेंगे या नहीं। कोच ने कहा, दुर्भाग्य या इस तरह के महत्वपूर्ण मैचों में खिलाड़ियों के अनुभव की कमी के कारण हम हार गए और इस वजह से मैं हमेशा रोऊंगा। मुझे अफसोस हुआ, खुद के लिए नहीं कि मैंने अपने करियर के दौरान इसी तरह की परिस्थितियों का सामना किया है बल्कि खिलाड़ियों के लिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

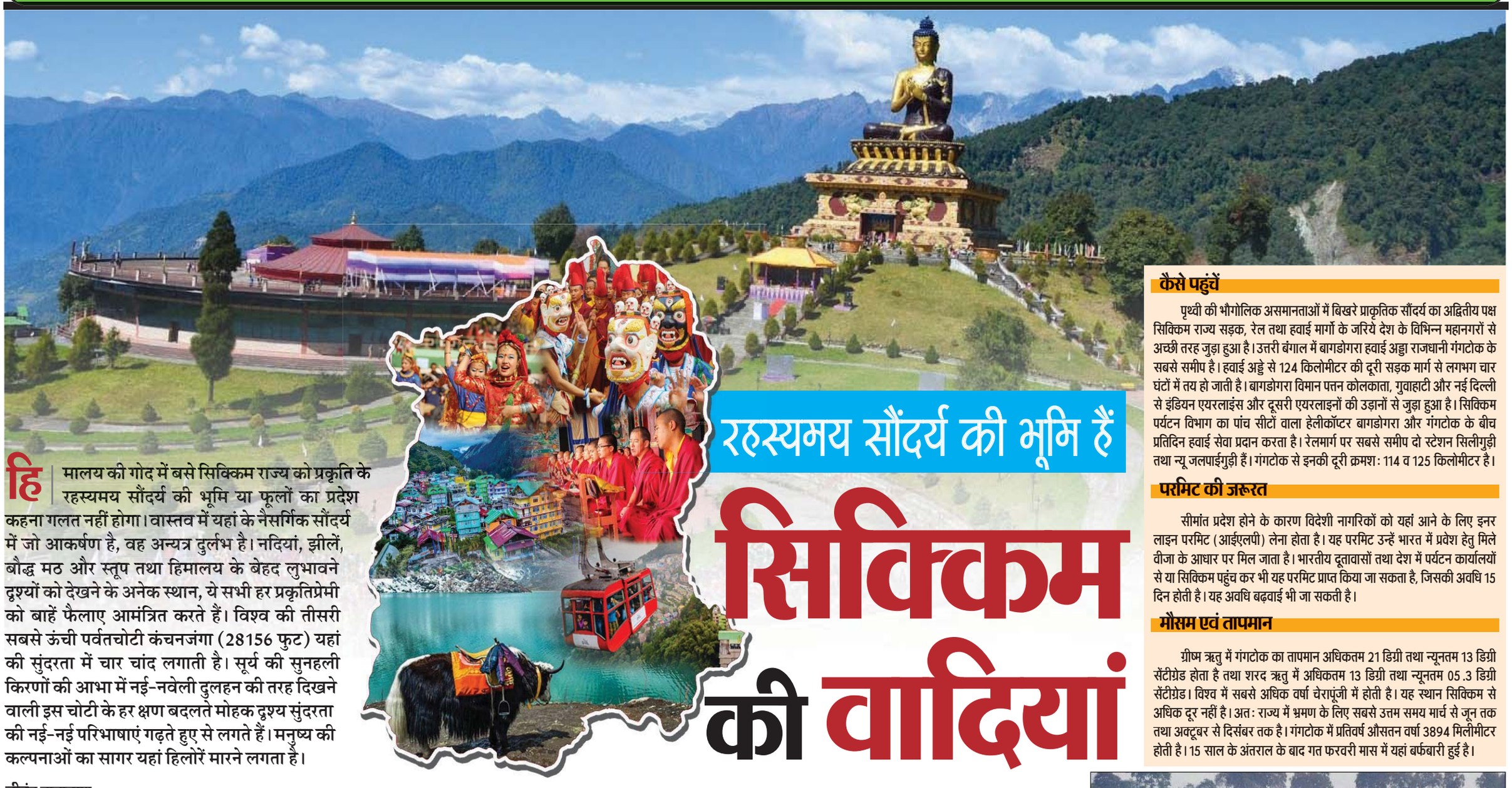

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं

सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा दुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा दुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो दुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमशः 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अतः राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने रावण का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

यूएई के वित्त मंत्री और दुबई के उप शासक शेख हमदन का निधन

दुबई। दुबई के उप शासक एवं संयुक्त अरब अमीरात के वित्त मंत्री शेख हमदन बिन राशिद अल मकतूम का निधन हो गया है। वह 75 वर्ष के थे। शेख हमदन बिन राशिद के भाई ने यह जानकारी दी। शेख हमदन अपने भाई मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के अधीन दुबई के उप शासक के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम दुबई के शासक हैं, जो यूएई के प्रधानमंत्री और उप राष्ट्रपति भी हैं। अमीरात के अधिकारियों ने उनके निधन की जानकारी दी, लेकिन मौत के कारण का खुलासा नहीं किया। शेख हमदन काफी समय से बीमार थे। पिछले साल शरद ऋतु में वह विदेश एक सर्जरी कराने गए थे, लेकिन उस संबंध में भी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी। शेख मोहम्मद ने हाल ही में उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए भी ट्वीट किया था। दुबई के दिवंगत शासक शेख राशिद बिन सईद अल मकतूम के दूसरे बेटे शेख हमदन का जन्म 25 दिसम्बर 1949 को हुआ था।

हांगकांग ने कोरोना के 'फाइजर' टीकों के इस्तेमाल पर लगाई रोक

हांगकांग। हांगकांग ने 'फाइजर' के कोविड-19 रोधी टीके के इस्तेमाल पर बुधवार को रोक लगा दी। वितरक 'फोसुन' ने टीके के एक बैच की बोतलों के ढक्कन खराब होने की जानकारी दी थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। हांगकांग सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इन टीकों के इस्तेमाल को तत्काल रोक दिया गया है। चीनी दवा कम्पनी 'फोसुन फार्मा' और अमेरिकी दवा कम्पनी 'फाइजर' के साथ मिलकर कोविड-19 रोधी टीका बनाने वाली जर्मनी की कम्पनी 'बायोएनटेक' मामले की जांच कर रही है। बयान के अनुसार, 'बायोएनटेक' और 'फोसुन फार्मा' कोटीके के सुरक्षित ना होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। हालांकिएहतियाती तौर पर इस टीके के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। बयान के अनुसार, बैच संख्या-210202 की बोतलों के ढक्कन खराब मिले हैं और बैच संख्या-210104 की भी जांच की जाएगी। 'फाइजर' के टीकों पर प्रतिबंध का मतलब है कि यहां के लोगों को फिलहाल चीन द्वारा विकसित 'सिनोवैक' टीके लगवाने का ही विकल्प है।

ब्राजील में बढ़ रहा तेजी से कोरोना का कहर, 24 घंटे में हुई 3,000 से अधिक मौतें

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील में पहली बार एक दिन में कोविड-19 से 3,000 से अधिक मौतें हुई हैं। हाल के हफ्तों में, लातिन अमेरिका का यह सबसे बड़ा देश किसी भी अन्य राष्ट्र की तुलना में हर दिन संक्रमण से अधिक मौतों के साथ महामारी का वैश्विक केंद्र बन गया है। ब्राजील में मंगलवार को 3,251 मरीजों की मौत हुई। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य साओ पाउलो में 1,021 लोगों की मौत हुई, जो पिछले बार की सर्वाधिक संख्या 713 की तुलना में काफी अधिक है। पिछले साल जुलाई में यहां कोविड-19 से 713 लोगों की मौत हुई थी। महामारी ने ब्राजील की स्वास्थ्य प्रणालियों को लगभग ध्वस्त कर दिया है।अस्पतालों में आईसीयू बेड और ऑक्सीजन के भंडार की कमी है। हाल के दिनों में अधिकतर राज्यों ने गतिविधियों को प्रतिबंधित किया है।

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में पाकिस्तान के लाहौर में कार्यक्रम

लाहौर। स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की पुण्यतिथि के मौके पर पाकिस्तान के लाहौर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। उन्हें यहां 90 साल पहले अंग्रेजों ने फांसी दी थी। अंग्रेजों ने लाहौर में 23 साल की उम्र में 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह को उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी के फंदे पर चढ़ाया था। उन पर ब्रितानी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र करने और अंग्रेज पुलिस अधिकारी जॉन पी सांडर्स की कथित तौर पर हत्या करने का मुकदमा चलने के बाद यह सजा दी गई।

भारत और अमेरिका आंतरिक सुरक्षा संवाद फिर से शुरू करने पर राजी

वाशिंगटन।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने भारत के साथ आंतरिक सुरक्षा संवाद फिर से शुरू करने की घोषणा की है। पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन ने यह संवाद बंद कर दिया था। यह घोषणा तब की गई है जब एक दिन पहले आंतरिक सुरक्षा मंत्री अलेजांद्रो मयोरकस ने सोमवार को अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू से बात की और भारत तथा उनके विभाग के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई। मंगलवार को जारी बैठक के ब्यौरे के अनुसार, ''मयोरकस और संधू अमेरिका-भारत आंतरिक सुरक्षा संवाद को दोबारा शुरू करने और साइबर सुरक्षा, उभरती प्रौद्योगिकी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने तथा हिंसक चरमपंथ पर काबू पाने के लिए बात करने पर राजी हो गए।'' मंत्रालय के लिए किसी विदेशी राजदूत के साथ मंत्री की बैठक का ब्यौरा जारी करना आम बात नहीं है। ब्यौरे के अनुसार, ''बातचीत में दोनों नेताओं ने बाइडन प्रशासन में हो रही क्वाड समेत सकारात्मक भागीदारी पर जोर दिया।''

कोरोना वैक्सीन पर भारत की दुनियाभर में हो रही है तारीफ, अब संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों ने की प्रशंसा

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों एवं काबुल के राजनयिकों ने अफगानिस्तान को कोविड-19 रोधी टीके देने के भारत के कदम की प्रशंसा की है। टीके मिलने के साथ ही युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में प्राणघातक वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के अफगानिस्तान में विशेष प्रतिनिधि एवं अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएमए) के प्रमुख देबोरा लॉयन्स ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की शुरुआत हो गई है। अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा, ''हमें संभावित तीसरी लहर के प्रति सतर्क रहना होगा। टीकाकरण अब शुरू हो गया है और भारत सरकार द्वारा दिए गए दान तथा कोवैक्स सेवा से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद। टीकाकरण अभियान आगे बढ़ रहा है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह देश भर में प्राथमिकता वाले समूह तक पहुंचे।''

संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत अब्देला राज ने भीकोविड-19 टीका मुहैया कराने के लिए सुरक्षा परिषद में भारत का आभार व्यक्त किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद को बताया कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत ने मानवीय सहायता के तौर पर चाबहार बंदरगाह के रास्ते अफगानिस्तान को 75 हजार मीट्रिक टन गेंहू भेजा है। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 महामारी के दौरान अफगानिस्तान की मदद करने के प्रयासों के तहत भारत में निर्मित कोविड-19 टीके की 9,68,000 खुराक की आपूर्ति की गई है जिनमें से पांच लाख खुराक की आपूर्ति अनुदान के रूप में की गई है।

चीन और भारत के बीच अविश्वास का माहौल चरम पर पहुंचा: अमेरिकी एडमिरल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष एडमिरल ने कहा है कि एक तरफ जहां अमेरिका और भारत के बीच सैन्य संबंध अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हैं, वहीं भारत और चीन के बीच अविश्वास का माहौल अपने चरम पर है। एडमिरल ने आरोप लगाया कि हिंद महासागर में चीन की धोखा देने वाली कार्रवाई और पारदर्शिता में कमी ने वहां स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। एडमिरल जॉन सी एक्यूलिनो ने चीन के साथ एक माह तक चले गतिरोध में अपनी उत्तरी सीमा को सुरक्षित करने के भारत के प्रयासों की भी सराहना की।

एडमिरल एक्यूलिनो ने अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान में कमांडर पद के लिए अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई के दौरान संसद की सशस्त्र सेवा समिति में मंगलवार को कहा, ''भारत और चीन के बीच अविश्वास का माहौल अपने चरम पर है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई झड़प के परिणामस्वरूप द्विपक्षी संबंध बिगड़े हैं और भारत 'वन बेल्ट वन रोड' पहल के तहत चीन की गतिविधियों को लेकर काफी शंकित है।'' सांसदों के लिखित प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान के ग्वादर और श्रीलंका के हंबनटोटा में चीन का रुख भी भारत के लिए चिंता का विषय है और यहीं हाल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी है।

हिंद महासागर में पीआरसी की धोखा देने वाली कार्रवाई और पारदर्शिता में कमी ने वहां स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है।'' सांसद देब फिचर की ओर से भारतीय सीमाओं पर चीन की कार्रवाई और भारत-अमेरिका सहयोग के भविष्य के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में एडमिरल एक्यूलिनो ने अपनी उत्तरी सीमा की रक्षा के लिए भारत द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। एडमिरल ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच सैन्य संबंध अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हैं और अमेरिका द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय सहयोग, अभ्यास, उच्च स्तरीय संयुक्त अभियानों और शीर्ष स्तर पर सहयोग के मामलों को लगातार बढ़ा रहा है। चीन की हालिया गतिविधियों पर उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों ने उन खतरों को रेखांकित किया है जो चीन की ओर से भारत सहित सभी देशों के लिए उत्पन्न किए जा रहे हैं।

इंगलैंड में हो रहा 'किल द बिल' लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शन, अब तक 14 लोग हुए अरेस्ट

लंदन। (एजेंसी)।

इंगलैंड के दक्षिण पश्चिम शहर ब्रिस्टल में पुलिस ने बुधवार को कहा कि करीब 200 प्रदर्शनकारियों के दूसरे 'किल द बिल' लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शन के लिए जुटने के बाद 14 गिरफ्तारियां की गयी हैं। कुछ दिन पहले ऐसा ही एक प्रदर्शन हिंसक हो गया था। स्थानीय एवन और सोमरसेट पुलिस ने बताया कि कोविड-19 लॉकडान कानून का उल्लंघन करने और राजमार्ग को बाधित करने समेत विभिन्न अपराधों में ये गिरफ्तारियां की गयी हैं। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने का प्रयास किया क्योंकि कोरोना वायरस महामारी को थामने के लिए जमावड़े पर पाबंदी है। मंगलवार रात के प्रदर्शन का जो फुटेज सामने आया है उनमें प्रदर्शनकारी ''आवर स्ट्रीट्स''और ''शेम ऑन यू'' के नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक क्लेयर आर्मिस ने कहा, ''यह बड़ी निराशाभरी बात है कि अधिकारियों को को उस दिन कार्रवाई करनी पड़ी जिस दिन हमें उन लोगों को याद करना चाहिए जिन्होंने पिछले साल कोविड-19 के चलते अपनी जान गंवायी। ब्रिस्टल के समुदायों ने इस वायरस को परास्त करने के लिए बहुत बलिदान दिये हैं और कठिन परिश्रम किया है। इस तरह उनके प्रयासों का अपमान करना लोगों के लिए अस्वीकार्य है।'' तथाकथित 'किल द बिल ' प्रदर्शनकारी सरकार के पुलिस, अपराध, सजा एवं अदालत विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं जो पुलिस को प्रदर्शन से निपटने के लिए और शक्तियां दे देगा। सप्ताहांत को प्रदर्शन हिंसक हो गया था और प्रदर्शनकारियों ने थाने पर हमला कर दिया था। इस हिंसा में 21 अधिकारी घायल हुए थे।

अमेरिका ने किया दावा, कहा- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है क्वाड

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की क्वाड सुरक्षा संवाद पहल की प्रशंसा करते हुए एक शीर्ष अमेरिकी एडमिरल और प्रभावशाली सीनेटरों ने इसे चीन द्वारा पेश चुनौती का सामना करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास करार दिया।इस संवाद में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेता शामिल हुए थे। एडमिरल जॉन सी एक्विलिनो अमेरिका के हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर पद पर तैनाती की पुष्टि के लिए सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति की हुई सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सदस्यों को बताया कि चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) साझा हितों एवं समान मूल्यों वाले चारों लोकतंत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक, आर्थिक और विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सुरक्षा प्राथमिकताओं और चारों देशों के बीच अधिक सैन्य सहयोग

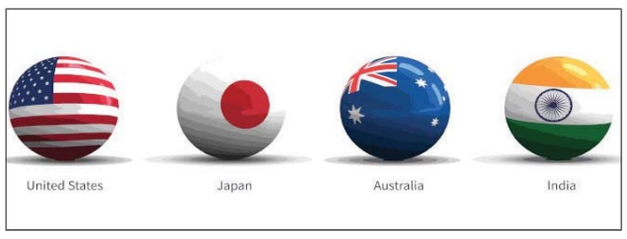

कीसंभावना को बढ़ाएगा।

क्वाड देशों- अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने 12 मार्च को अपना पहलाऑनलाइन शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन ने गठबंधन के नेताओं से कहा था कि उनके लिए 'स्वतंत्र और खुला' हिंद-प्रशांत क्षेत्र आवश्यक है और उनका देश स्थिरता हासिल करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक सवाल के जवाब में, एक्विलिनो ने कहा कि चीन के साथ ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते विभिन्न कारणों से तनावपूर्ण हैं। सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष सीनेटर जैक रीड ने पहले क्वाड शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए बाइडन प्रशासन के लिए इस गठबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। हवाई से डेमोक्रेटिक सीनेटर सीनेटर माजी हिरोनो ने भी क्वाड शिखर सम्मेलन के संदर्भ मेंजापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ जुड़ने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की और क्वाड राष्ट्रों के साथ साझेदारी को मजबूत करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। सीनेटर जोश हॉले ने चीन की आक्रमकता के खिलाफ क्वाड क्षेत्रीय गठबंधन के बारे में बात की। सीनेटर टिम काइन ने भारत में क्वाड टीका पहल और टीका विकास कार्यक्रम का स्वागत किया जिसका उपयोग क्षेत्र के अन्य देशों को आपूर्ति के लिए किया जा सकता है।

भारतीय-अमेरिकी डॉ विवेक मूर्ति होंगे अमेरिकी सर्जन जनरल, कोरोना महामारी से निपटना सबसे बड़ी चुनौती

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सर्जन जनरल के रूप में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक विवेक मूर्ति की नियुक्ति को सीनेट ने मंजूरी दे दी। मूर्ति की सर्वोच्च प्राथमिकता कोरोना वायरस महामारी से निपटना होगी जिसने देश को बुरी तरह प्रभावित किया है। डॉ. मूर्ति (43) दूसरी बार अमेरिका के सर्जन जनरल के पद पर काबिज होंगे। 2011 में, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें बीमारी की रोकथाम और जन स्वास्थ्य को लेकर बनाए गए सलाहकार समूह में शामिल किया था। मूर्ति ने मंगलवार को कहा, ÷मैं सर्जन जनरल के रूप में एक बार फिर सेवा देने के लिए सीनेट की सहमति मिलने का बहुत आभारी हूं। पिछले एक साल में हमने एक राष्ट्र के रूप में बड़ी कठिनाइयों का सामना किया है, और मैं हमारे राष्ट्र के मुश्किलों से उबरने और हमारे बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने के वास्ते आपके साथ काम करने की आशा करता हूं। सीनेट ने मूर्ति की नियुक्ति को 43 मतों के मुकाबले 57 मतों से मंजूरी दी।

क्या इस बार भी नेतन्याहू की आएगी सरकार? बहुमत पर संदेह बरकरार

यरुशलम। इजराइल में हुए संसदीय चुनावों में बुधवार को करीब 90 प्रतिशत मतों की गिनती के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भविष्य पर ''अनिश्चतता'' के बादल मंडराते दिखाई पड़ रहे हैं जिससे राजनीतिक गतिरोध जारी रहने और अभूतपूर्व रूप से पांचवीं बार चुनाव की आशंका बढ़ गई है। नेतन्याहू की पार्टी 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आयी है लेकिन उसके पास इजराइली संसद की कुल 120 सीटों में से सरकार गठन के लिए बहुमत का 61 सीटों के जरूरी आंकड़ा नहीं है।

इजराइल में पिछले दो साल में चार बार चुनाव हो चुके हैं लेकिन अभी तक किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। पिछली बार मार्च में हुए चुनाव के मुकाबले इस बार 4.3 प्रतिशत कम मतदान हुआ। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि लोग चुनावों से थक चुके हैं। इजराइल के प्रमुख टीवी चैनलों पर मंगलवार को मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद आए एग्जिट पॉल से यह संकेत मिला कि नेतन्याहू और उनके विरोधियों को सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं मिलेंगी। बहरहाल राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेतन्याहू के पुराने सहयोगी के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी यमीना पार्टी फिर से हाथ मिला सकती है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने मुखरता से एक-दूसरे का विरोध किया था। नेतन्याहू ने बुधवार तड़के समर्थकों को संबोधित करते हुए ''बड़ी जीत'' मिलने का दावा किया था लेकिन जीत का एलान नहीं किया था। हालांकि उन्होंने देश को फिर से एक और चुनाव की तरफ ले जाने से बचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''हमें किसी भी परिस्थिति में इजराइल को पांचवीं बार चुनाव की ओर नहीं ले जाना चाहिए। हमें अब एक स्थायी सरकार बनानी चाहिए।'' नेतन्याहू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से अगर यमीना की पार्टी भी हाथ मिला लेती है तो उसके पास अभी 59 सीटें हैं जो बहुमत से दो सीटें कम हैं। नेतन्याहू साल 2009 से सत्ता में बने हुए हैं।

अमेरिका : भारतीय दवा कंपनी पर लगा पांच करोड़ डॉलर का जुर्माना, निरीक्षण से पहले नष्ट किए थे रिकॉर्ड

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय दवा निर्माता कंपनी को रिकॉर्ड छिपाने और नष्ट करने का दोषी मानते हुए पांच करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। दरअसल, किसी भी दवा को मंजूरी देने से पहले फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) उस जगह का निरीक्षण करता है जहां पर इसे बनाया जा रहा है। वर्ष 2013 में एफडीए की टीम ने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का निरीक्षण तो किया, लेकिन इस दौरान कंपनी ने ना केवल जरूरी रिकॉर्ड छिपाए बल्कि उन्हें नष्ट भी किया।

इससे पहले फेजेनियस काबी ऑन्कोलॉजी लिमिटेड (एफकेओएल) को एफडीए कानूनों के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। जांच के दौरान कंपनी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में नाकाम रही थी। एफकेओएल का पश्चिम बंगाल के कल्याणी में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। यहां पर अमेरिका में बेचने के लिए कैंसर से जुड़ी दवाएं बनाई जाती हैं। कंपनी ने अपना अपराध कुबूल कर लिया है। कंपनी पर तीन करोड़ डॉलर का आपराधिक जुर्माना लगाए जाने के साथ ही दो करोड़ डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। जज ने कहा कि दवा निर्माण से जुड़े रिकॉर्ड को छिपाने और नष्ट करने से एफकेओएल ने ना केवल एफडीए के नियमों का उल्लंघन किया है बल्कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों को भी खतरे में डाला है।

अकाउंट डिलीट करने पर भारतीय को दो वर्ष की कैद

कैलिफोर्निया की एक अमेरिकी अदालत ने भारतीय नागरिक दीपांशु खेर को दो वर्ष जेल की सजा सुनाई है। दीपांशु को कंपनी द्वारा निकाले जाने के बाद सर्वर का एक्सेस करके 1200 माइक्रोसाफ्ट यूजर का अकाउंट डिलीट करने का दोषी पाया गया है। दीपांशु तब गिरफ्तार किया गया जब वह अपनी गिरफ्तारी के लिए जारी वारंट से अनजान 11 जनवरी 2021 को भारत से अमेरिका पहुंचा। उस पर साढ़े पांच लाख से ज्यादा डालर का जुर्माना भी लगाया गया है। जेल से रिहा होने के बाद उस पर तीन वर्ष तक नजर रखी जाएगी।

बांग्लादेश में रोहिंग्या शिविर में लगी भीषण आग, 15 की मौत, 45,000 लोगों के सिर से छिनी छत

ढाका। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्व में स्थित कोक्स बाजार जिले में रोहिंग्या शिविर में भीषण आग लग जाने पर कम से कम 15 लोगों मौत हो गई। बांग्लादेश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन मंत्रालय सचिव मोहम्मद मोहसिन ने घटना में मारे गये लोगों की संख्या की पुष्टि की। हालांकि, इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने मृतक संख्या 15 बताई थी। मोहसिन ने मीडिया से कहा, ''आग में 45,000 लोगों के सिर से छत छिन गई क्योंकि आग में 9,300 झुग्गियां नष्ट हो गई। '' सोमवार देर रात लगी आग में घायल हुए सैकड़ों लोगों का आसपास के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के प्रवक्ता जोहानेस वान देर क्लाउ ने इससे पहले प्रेस वार्ता में कहा था कि करीब 400 रोहिंग्या लापता बताए जा रहे हैं। सरकार के उप प्रमुख शरणार्थी आयुक्त शमशाद दौजा ने कहा कि आग के कारणों का पता लगाने के लिए एक आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई थी। बांग्लादेश के कोक्स बाजार में 11 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी हैं, जो पड़ोसी देश म्यांमा में सैन्य कार्रवाई के बाद पलायन कर आए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संक्रमित

एक ही दिन में भाजपा और कांग्रेस के पांच विधायक संक्रमित

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में कोरोना के केसों की संख्या बढ़ती जा रही है। आम लोग ही नहीं नेता भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। गुजरात विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और इसमें अब तक कुल 9 विधायक कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। मंगलवार को एक ही दिन में 5 विधायकों के कोरोना संक्रमित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने विधानसभा परिसर में आनेवाले विजिटरों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मंगलवार को डांग से भाजपा विधायक विजय पटेल और पालीताणा के भीखाभाई बारैया कोरोना संक्रमित हुए। ऊना से कांग्रेस विधायक पूजा वंश, बहुचराजी से विधायक भरतजी ठाकोर और दसाडा से विधायक नौशाद सोलंकी भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। इससे पहले अंकलेश्वर से भाजपा विधायक और मंत्री ईश्वर पटेल, दसक्रोई से विधायक भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हांलाकि दोनों विधायक अब कोरोनामुक्त हो चुके हैं। जबकि डभोई से

भाजपा विधायक शैलेष मेहता और सूरत के महुवा से भाजपा विधायक मोहन ढोडिया का उपचार चल रहा है। एक ही दिन में पांच विधायकों के कोरोना संक्रमित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने सदन में उनके आसपास बैठने वाले अन्य विधायकों को अपना कोरोना टेस्ट कराने की नसीहत दी है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर देर शाम विधानसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं के बीच एक बैठक हुई,

जिसमें विधानसभा परिसर में विजिटरों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया।

इस फैसले के बाद अब विधानसभा परिसर में अधिकारी और विधायकों के अतिरिक्तअन्य किसी को प्रवेश नहीं मिलेगा।

शादी की डीजे पार्टी में जुटी हजारों की भीड़, कोविड नियमों की उड़ाई धज्जियां

क्रांति समय दैनिक

तापी, गुजरात समेत देशभर में फिर एक बार कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है और इसकी रोकथाम के लिए हरसंभव प्रयास भी किए जा रहे हैं। सरकार कोविड नियमों का पालन करने की लोगों से अपील कर रही है। लेकिन आज भी लापरवाह लोग कोरोना को न्यौता देने से बाज नहीं आ रहे। तापी जिले से एक ऐसी ही घटना सामने आई है, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जमा हुई। सोशल डिस्टेंस का पालन करना तो दूर ज्यादातर लोगों ने मास्क भी नहीं लगाया था। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई तापी पुलिस ने कार्यवाही शुरू की है। घटना है तापी जिले की निझर तहसील के वेलदा गांव की। वेलदा गांव निवासी जोगा पाडवी के परिवार में आज यानी 24 फरवरी को शादी होनी थी। शादी से एक दिन पहले 23 मार्च को डीजे पार्टी का आयोजन किया गया था। कोहिनूर स्टार बैंड की पार्टी में हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ में शामिल ज्यादातर लोगों ने मास्क भी नहीं लगाया था। इस भीड़ में एक संक्रमित व्यक्ति कितने लोगों को संक्रमित कर सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। पार्टी में जमा लोग बेखौफ होकर कोविड नियमों की ऐसी-तैसी कर रहे थे। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और कार्यक्रम का आयोजन करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

होलिका दहन को मंजूरी, सार्वजनिक रंगोत्सव पर रोक, सरकार ने जारी की गाइडलाइन

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात सरकार ने आगामी होली-धुलेंडी पर्व को लेकर मार्गदर्शिका आज जारी कर दी। जिसके मुताबिक सीमित संख्यां में होलिका दहन को मंजूरी दी गई, लेकिन सार्वजनिक रंगोत्सव पर प्रतिबंध लगा दिया है। आमतौर पर होली-धुलेंडी के त्यौहारों पर सोसायटी, गली-मुहल्लों, खुले मैदान और सड़कों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं।

राज्य में लगातार कोरोना के केसों की संख्या में इजाफा हो रहा है और ऐसे में यदि सार्वजनिक कार्यक्रमों को मंजूरी दी जाती है तो स्थिति गंभीर हो सकती है। आगामी होली-धुलेंडी पर्व पर लोगों के जमा होने से रोकने के लिए बुधवार को सरकार ने मार्गदर्शिका जारी की है। सरकार ने होली-धुलेंडी त्यौहार मनाने की शर्तियां मंजूरी प्रदान की है। जिसमें होलिका दहन में सीमित संख्या में लोग उपस्थित रह धार्मिक विधि कर सकेंगे। होलिका दहन के वक्त ज्यादा लोगों की भीड़ जमा न हो, इसकी जिम्मेदारी संचालक की होगी। सरकार ने होली के दूसरे दिन रंगों के पर्व धुलेंडी पर सार्वजनिक रंगोत्सव पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कुछ दिन पहले ही होली-धुलेंडी पर्व पर सरकार का रुख साफ कर दिया था। नितिन पटेल ने कहा था कि होलिका दहन को मंजूरी दी जाएगी, लेकिन रंगोत्सव के छोटे-बड़े कार्यक्रमों को मंजूरी नहीं मिलेगी। होलिका दहन में भी सीमित लोग ही शामिल होकर धार्मिक विधि कर सकेंगे।

सार-समाचार

गुजरात के चार मंडलों में आईईटी, आईआईएम और नीट परीक्षा के कोचिंग क्लास शुरूहोंगे : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के चार मंडलों में आईआईटी, आईआईएम, जेईई और एनईईटी जैसी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए क्लासिस शुरू करने का ऐलान किया है। अहमदाबाद-गांधीनगर जिले में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के कोचिंग के संदर्भ में विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि ऐसी परीक्षाओं में राज्य के विद्यार्थी शामिल होकर बेहतर कैरियर बना सकें, इसके लिए पहली बार जारी वित्त वर्ष के बजट में प्रावधान कर ऐसे कोचिंग क्लासिस शुरूकरने का आयोजन किया है। ताकि इन कोचिंग क्लासिस में तालीम लेकर गुजरात के विद्यार्थी अपने कोटे में प्रवेश पा कसें। ऐसे कोचिंग क्लासिस में अभ्यासक्रम के मुताबिक तालीम देकर राज्य सरकार परीक्षा लेगी और उसके बाद उसी आधार पर परीक्षा दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात का कोटा बकरार रहे ऐसे प्रयास राज्य सरकार करेगी।

बोलेरो पिकअप और ट्रक के बीच दुर्घटना में किसान की मौत, मंडी में जीरा बेचकर लौट रहा था

मेहसाणा,मेहसाणा के कडी के निकट बोलेरो पिकअप और ट्रक के बीच दुर्घटना में बावला के एक किसान की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई किसान मेहसाणा की उंझा मंडी में जीरा बेचकर देर रात अपने घर लौट रहा था। अहमदाबाद जिले की बावला तहसील के मीठापुर गांव निवासी संदीप गोहिल, अशोक मेर, विष्णु गोहिल, वनराज गोहिल, जादव फतेसं और विपुल धोरालिया बोलेरो पिकअप में जीरा लादकर मेहसाणा गए थे। मेहसाणा जिले की उंझा मंडी में जीरा बेचने के बावला के किसान बोलेरो पिकअप में अपने घर लौट रहे थे। उस वक्तमेहसाणा जिले के कड़ी में थोर रोड पर सामने से आ रहे ट्रक ने बोलेरो पिकअप को टक्कर मार दी। इस घटना में बोलेरो पिकअप में सवार किसान घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और एम्ब्युलैंस 108 को खबर कर दी। घायल किसानों को कडी के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमें वनराज गोहिल नामक किसान की हालत गंभीर होने से उसे अहमदाबाद के अस्पताल भेजा गया। जहां उपचार के दौरान वनराज की मौत हो गई।

सिटी स्कैन/एमआरआई मशीन नहीं हैं वहां प्राइवेट अस्पतालों से करार मरीजों को मुफ्त इलाज कराया जा रहा है: नितिन पटेल

गांधीनगर , उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज बताया कि राज्य के जिन जिलों के अस्पताल में सिटी स्कैन या एमआरआई मशीनें नहीं हैं वहां गरीब एवं मध्यम वर्ग के मरीजों को मुफ्त उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय प्राइवेट अस्पताल से साथ करार पूरा खर्च सरकार वहन करती है। जामनगर और देवभूमि द्वारका जिले के सरकारी अस्पतालों में सिटी स्कैन और एमआरआई मशीन संबंधी जवाब में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रेडियोलोजिस्ट की उपलब्ध प्रमाण में कम होने से स्थानीय अस्पताल के साथ व्यवस्था की है। इस व्यवस्था में मां, मा-वात्सल्य, प्रधानमंत्री जन स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी दिया जाता है। एम्ब्युलैंस के बारे में नितिन पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने नए एम्ब्युलैंस के

गांधीनगर। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने गांधीनगर में किसानों समर्पित ''ई-कृषि पथ मेगेजिन'' का विमोचन किया।

इस मेगेजिन के जरिए प्रति दो महीने में ई-माध्यम के जरिए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और उससे संबंद्ध जानकारी दी जाएगी। (फोटो-ईएमएस)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल में कोई भारतीय बाहरी नहीं, जीतने पर भाजपा का मुख्यमंत्री इसी धरती का बेटा होगा : पीएम मोदी

कांठी (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि बंगाल ने पूरे भारत को 'वन्दे मातरम' की भावना में बांधा है और उसी बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों को 'बोहिरागोतो' (बाहरी) बता रही हैं। उन्होंने एलान किया कि अगर भाजपा सत्ता में आयी तो राज्य का मुख्यमंत्री बंगाल की धरती के बेटे को ही बनाया जाएगा। पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांठी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, रबींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नायकों की भूमि है और इस धरती पर कोई भारतीय बाहरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''बंगाल ने पूरे भारत को 'वन्दे मातरम' की भावना में बांधा है और उस बंगाल में ममता दीदी ''बोहिरागोतो'' (बाहरी होने) की बात कर रहीहैं। कोई भारतीय यहां बाहरी नहीं है, वे भारत माता के बच्चे हैं।'' मोदी ने कहा, ''हमें 'पर्यटक' कहा जा रहा है, हमारा मजाक उड़ाया जा रहा है, हमारा अपमान किया जा रहा है। दीदी, रबींद्रनाथ के बंगाल के लोग किसी को भी बाहरी नहीं मानते।'' उन्होंने रैली में कहा कि जब बंगाल में भाजपा सरकार बनाएगी तो मुख्यमंत्री इसी धरती का कोई बेटा होगा। दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा और प्रधानमंत्री का जिक्र करते हुए अक्सर अपने भाषणों में कहती हैं कि वह दिल्ली या गुजरात से आए ''बाहरी'' लोगों को बंगाल में शासन करने नहीं देंगी। उनके इस बयान पर छिड़ी ''स्थानीय बनाम बाहरी'' की बहस के बीच मोदी की ये टिप्पणियां आई हैं। तृणमूल कांग्रेस ने 'बंगाल को अपनी बेटी चाहिए' अभियान भी शुरू किया है जिसमें पार्टी के नेता राज्य आ रहे भाजपा पदाधिकारियों को ''चुनावी पर्यटक'' कह रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बनर्जी ने झूठे आरोप लगाकर नंदीग्राम के लोगों का अपमान किया और लोग उन्हें करारा जवाब देंगे। उन्होंने 10 मार्च की घटना का जिक्र करते हुए कहा, ''आप पूरे देश के सामने नंदीग्राम और उसके लोगों को बदनाम कर रहे हैं। यह वही नंदीग्राम है जिसने आपको इतना कुछ दिया। नंदीग्राम के लोग आपको माफ नहीं करेंगे और आपको करारा जवाब देंगे।'' गौरतलब है कि 10 मार्च की घटना में मुख्यमंत्री घायल हो गई थीं। मोदी ने 'तोलाबाजी' और जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार को लेकर टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा राज्य में हर योजना को घोटाला-मुक्त बनाएगी और पारदर्शिता लाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला करते हुए कहा, ''हमने (केंद्र) चक्रवात अम्फान से प्रभावित इलाकों में राहत भेजी लेकिन राहत राशि को 'भाइपो (भतीजा) विंडो' के जरिए लूटा गया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि बनर्जी 'दुआरे सरकार' की बात कर रही हैं लेकिन दो मई को उन्हें दरवाजा दिखा दिया जाएगा। बनर्जी सरकार ने चुनावों के मद्देनजर महीनों पहले 'दुआरे सरकार' कार्यक्रम शुरू किया था जिसमें विशेष शिविर लगाकर सेवाएं दी जाती हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी वादा किया अगर वह तीसरी बार सत्ता में आयीं तो यह सुनिश्चित करेंगी कि लोगों के घरों तक राशन पहुंचाया जाए। प्रधानमंत्री भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के गृहनगर कांठी में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। अधिकारी चुनावों के मद्देनजर टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। मोदी ने आरोप लगाया कि टीमएसी सरकार बार-बार हवा में ''बम विस्फोटों और गोलियों'' की आवाज से बंगाल में ''अंधेरा'' ले आयी है। उन्होंने कहा, ''यहां आए दिन हिंसा और बम विस्फोटों की खबरें आती हैं। यहां तक कि धमाकों में पूरे मकान के मकान उड़ा दिए जाते हैं। हमें इस स्थिति को बदलना होगा।'' उन्होंने वादा किया कि उनकी पार्टी राज्य को ''सोनार बांग्ला'' बनाने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, ''बंगाल को शांति, स्थिरता, बमों, बंदूकों और हिंसा से आजादी की जरूरत है। तृणमूल सरकार ने बंगाल को केवल अंधेरा दिया है। भाजपा की दोहरे-इंजन की सरकार सोनार बांग्ला बनाएगी।'' मोदी ने आरोप लगाया कि पिछले दस सालों में किए काम के बारे में पूछे जाने पर बनर्जी अपशब्द कह रही हैं। उन्होंने दावा किया, ''लोकतंत्र में जीत और हार हो सकती है। लेकिन जब पिछले दस सालों में किए काम के बारे में टीएमसी सरकार से ''हिसाब'' मांगते हैं तो हमें अपशब्द कहे जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''पड़ोसी असम में पिछले पांच साल से राजग सरकार है। इन पांच सालों में शांति एवं स्थिरता रही। जिन्होंने अलगाववाद का रास्ता चुना वे मुख्यधारा में लौट आए। बंगाल को भी शांति एवं स्थिरता की जरूरत है और भाजपा ऐसा करेगी।'' बनर्जी के 'खेला होबे' नारे पर चुटकी लेते हुए मोदी ने कहा कि कोई और खेल नहीं खेला जाएगा और राज्य में जब भाजपा सरकार बनाएगी तो लोगों की सेवा की जाएगी। मोदी ने बंगाली में कहा, ''आप खेल करते रहो जबकि हम लोगों की सेवा करेंगे।'' मोदी ने कहा कि राज्य के किसान उन्हें वित्तीय मदद से वंचित रखने के लिए टीएमसी को माफ नहीं करेंगे।

सार समाचार

उत्तर प्रदेश में सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषियों को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की एक स्थानीय अदालत ने एक नाबालिग लड़की की सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या करने के जुर्म में तीन लोगों को बुधवार को मौत की सजा सुनाई। एक सरकारी बयान के मुताबिक, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (पोक्सो दो) राजेश पाराशर ने तीनों आरोपियों को दोषी पाया और उन्हें मौत की सजा सुनायी। बयान के मुताबिक, अभियुक्त जुल्फिकार अब्बासी, दिलशाद अब्बासी एवं इजराइल द्वारा दो जनवरी 2018 को बुलंदशहर के थाना कोतवाली नगर की एक नाबालिग लड़की का ट्यूशन से घर लौटते समय कार में अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसी के दुप्पटे से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को गौतमबुद्धनगर जिले के दादरी थाना क्षेत्र के तहत आने वाली नहर में फेंक कर फरार हो गए। इस मामले में पोक्सो कानून और भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। महिला संबंधी उक्त अपराध को बेहद गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए बुलंदशहर पुलिस द्वारा पीड़ित परिवार की सुरक्षा के दृष्टिगत एक वर्ष से उन्हें सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराया गया था ताकि वादी/साक्षी भयमुक्त होकर प्रत्येक तारीख पर अदालत में उपस्थित रहें।

फरीदाबाद में निकिता तोमर की हत्या के मामले में दो को दोषी पाए गए, एक बरी

फरीदाबाद। हरियाणा में फरीदाबाद की एक अदालत ने बहुचर्चित निकिता तोमर हत्याकांड में बुधवार को तौसीफ और रेहान को दोषी करार दिया लेकिन अजरू को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरताज बासवाना की फास्ट ट्रैक अदालत ने तौसीफ और रेहान को दोषी पाया है और उनकी सज़ा पर 26 मार्च को सजा पर बहस होगी। निकिता तोमर पक्ष के अधिवक्ता ऐदल सिंह ने बताया कि इस मामले में कुल 57 गवाहों की गवाही हो हुई है जबकि बचाव पक्ष की ओर से वकील अनवर खान, अनीस खान और पीएल गोयल ने आरोपियों के बचाव में उसका पक्ष रखा। इस मामले को 26 मार्च को पूरे पांच माह हो जाएंगे। हत्या के 11 दिन बाद ही पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दायर कर दिया था।

कश्मीर का ट्यूलिप गार्डन 25 मार्च से पर्यटकों के लिए खुल जाएगा

श्रीनगर। कश्मीर में नए पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ ही बृहस्पतिवार कोएशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन जनता के लिए खुल जाएगा। पूर्व में सिराज बाग के नाम से मशहूर इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन को 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने खुलवाया था। ट्यूलिप गार्डन जबरवन पर्वत श्रृंखला की तलहटी में स्थित है और यह एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। यह लगभग 30 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस उद्यान को कश्मीर घाटी में फूलों की खेती और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोला गया था। ट्यूलिप गार्डन के प्रभारी इनाम रहमान सोफी ने पीटीआई-को बताया, बृहस्पतिवार को गार्डन को जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

दिल्ली में बढ़ा कोरोना का खतरा, अधिक लोगों वाले कार्यक्रम और प्रदर्शन पर लगी रोक

नयी दिल्ली। आप सरकार ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीएमए) ने त्योहारों के आयोजन के लिए एकत्र होने व प्रदर्शन और सभी तरह की जनसभाओं पर प्रदेश में रोक लगा दी है। आप विधायक राघव चड्ढा और आतिशी मार्लेना ने अदालत में याचिका दायर कर गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल अनिल बैजल के आवास के बाहर प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह के इस याचिका पर सुनावई के दौरान आप सरकार ने एक प्रतिवेदन दाखिल कर अदालत को यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील गौतम नारायण ने अदालत को बताया कि दिल्ली डीएमए या डीडीएमए ने 23 मार्च को जारी किए गए आदेश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सभी प्रकार की जन सभाओं पर रोक लगा दी है। दिल्ली में मंगलवार को कोविड-19 के इस साल के सर्वाधिक 1,101 नए मामले सामने आए थे।

उत्तर भारत में बदला मौसम का मिजाज, कश्मीर घाटी में हुई बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश

श्रीनगर। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग समेत कश्मीर में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बुधवार को फिर से बर्फबारी हुई जबकि मैदानी क्षेत्रों में वर्षा हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में बारामूला के गुलमर्ग में मंगलवार की रात करीब एक फुट तक हिमपात हुआ। बुधवार की सुबह भी गुलमर्ग में रूक-रूक कर हिमपात जारी रहा। उन्होंने बताया कि सोनमर्ग सहित, मध्य कश्मीर के गांदेरबल जिले और दक्षिणी कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम समेत घाटी के ऊंचाई वाले स्थानों पर फिर से बर्फबारी हुई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा- भारत की निवेश ग्रेड रेटिंग घटने के आसार नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बुधवार को कहा कि सीमा शुल्क ढांचे को तर्कसंगत बनाया जायेगा ताकि घरेलू कारोबारियों को, खासतौर से एमएसएमई श्रेणी के उद्यमों को सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कर आधार को भी व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक निवेश ग्रेड रेटिंग है और अच्छे निवेश के चलते उन्हें नहीं लगता कि यह घटेगी। सीतारमण ने वित्त विधेयक 2021 में राज्यसभा में हुई चर्चा का उत्तर देते हुये बुधवार को कहा कि कर व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए हैं जिनका मकसद कारोबार करने की सुगमता को बढ़ाना है।

उनके जवाब के बाद राज्यसभा ने वित्त विधेयक 2021-22 को ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया। इसे लोकसभा पहले ही पारित कर चुकी है। इसी के साथ संसद में आम बजट 2021-22 को पारित करने की प्रक्रिया पूरी हो गयी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क ढांचे को तर्कसंगत बनाया जायेगा ताकि घरेलू कारोबारियों को, खासतौर से एमएसएमई श्रेणी के उद्यमों को सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए उठाए गए कदमों का ही नतीजा है कि कोरोना संकट के दौरान आर्थिक मोर्चे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को आठ माह तक मुफ्त राशन दिया गया। उन्होंने कहा, ''यह बड़ी बात है।''

वित्त मंत्री ने कहा कि गैर निष्पादित आस्तियां घट कर मार्च 2020 में 8.99 लाख करोड़ रुपये रह गईं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के शासनकाल में अर्थव्यवस्था का समुचित तरीके से प्रबंधन नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि 2014 से 2019 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.5 फीसदी थी जो 2009 से 2014 के दौरान 6.7 फीसदी थी। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल को अपेक्षित मदद न दिए जाने का आरोप भी खारिज कर दिया। चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा केंद्र सरकार पर लगाये गये आरोपों का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के लोगों को केंद्र की स्वास्थ्य योजना का लाभ नहीं लेने दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार के कारण राज्य के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिल पाया।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री के खिलाफ आरोप: कांग्रेस ने समिति से जांच की मांग की

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर ''अधिक स्पष्टता'' के लिए किसी न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति से जांच की बुधवार को मांग की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राकांपा के साथ कांग्रेस राज्य में एमवीए सरकार का हिस्सा है। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने देशमुख पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बार और होटलों से हर महीने 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। राकांपा नेता देशमुख ने आरोप से इनकार किया है। पटोले ने संवाददाताओं से कहा, ''(राकांपा प्रमुख शरद) पवार ने स्वयं सिंह द्वारा लगाए गये 100 करोड़ रुपये के आरोपों की निष्पक्ष जांच की जरूरत बतायी है। हम इस पर अधिक स्पष्टता के लिए वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की मांग करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इससे सब कुछ साफ हो जाएगा। यह कांग्रेस की मांग है।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिंह, जब मुंबई पुलिस आयुक्त थे तब ''सांसद मोहन डेलकर की मौत के मामले में'' (मामला दर्ज करने से बचने के लिए) 'बहाने बना रहे थे।' डेलकर ने पिछले महीने मुंबई के एक होटल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

पटोले ने आरोप लगाया, ''सिंह की भूमिका संदिग्ध थी..मैंने निश्चित रूप से उन्हें निर्लंबित कर दिया होता, उनका तबादला नहीं किया होता।'' उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास एक कार जिसमें विस्फोटक सामग्री रखी थी, के मिलने के मामले में एनआईए द्वारा पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी के बाद सिंह को होमगार्ड विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था। पटोले ने यह भी कहा कि कांग्रेस मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से यह भी मांग करेगी कि पूर्ववर्ती देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा नियुक्त ''आरएसएस के लोगों'' की संख्या के साथ ही इसका खुलासा करें कि ऐसे नियुक्त हुए व्यक्तियों को क्या सुविधाएं और भत्ते मिले। भाजपा नेताओं के बुधवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात के बारे में, पटोले ने दावा किया कि राज्यपाल की भूमिका ''संदिग्ध'' है और राजभवन एक ''भाजपा कार्यालय'' बन गया था। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र को बदनाम करने के लिए भाजपा ने जो ठेका लिया है, उसके लिए लोग भाजपा को माफ नहीं करेंगे।''

भारतीय तटरक्षक जहाज 'वज्र' बेड़े में हुआ शामिल, जनरल रावत ने दिया बयान

चेन्नई। (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने बुधवार को कहा कि तटरक्षक बल का ध्यान प्राथमिक रूप से तटों की निगरानी पर बना रहने चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बल को इस जिम्मेदारी से नहीं भटकना चाहिए। चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट पर तटरक्षक बल में पोत 'वज्र' को शामिल करने के मौके पर आयोजित समारोह में जनरल रावत ने कहा कि नौसेना, तटरक्षक बल और समुद्री पुलिस के बीच तालमेल एवं राज्य की स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय वक्त की जरूरत बन गई है। उन्होंने कहा, ''हमें इसमें सुधार एवं क्षमता पर भरोसा है। तटरक्षक बल अन्य एजेंसियों जो अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं, के साथ-साथ हमारे समुद्री इलाकों की रक्षा करने में सक्षम होगा।'' 'वज्र' रक्षा मंत्रालय द्वारा लार्सन टुब्रो शिप बिल्डिंग लिमिटेड को दिए ठेके की कड़ी में छठा पोत है। पोत को शामिल करने के समारोह के दौरान रावत ने उसके नाम की पट्टिका का अनावरण किया। रावत ने कहा, ''देश के पास विशाल एवं विशेष आर्थिक क्षेत्र, है, दूर द्विपीय क्षेत्र है और लंबी तटरेखा है।

भारत हिंद महासागर क्षेत्र में प्राथमिकता वाला साझेदार है।'' उन्होंने कहा, ''ध्यान प्राथमिक कार्य पर रहना चाहिए। कोई भी परिस्थिति हमें तटों की निगरानी,हमारे मालवाहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने व यह तय करने कि इस इलाके में कोई डकैती नहीं हो की प्राथमिक भूमिका से डिगा नहीं सकती।'' जनरल रावत ने कहा, ''आज तटरक्षक बल सातों दिन 24 घंटेकाम कर रहा है ताकि राष्ट्रीय हित के साथ समुद्र में भरोसा कायम रह सके।'' गौरतलब है कि तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के इरादे से इस पोत में आधुनिक नेविगेशन एवं संचार प्रणाली लगाई गई है। पोत की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए 30 एमएम की तोप लगी है, इसके साथ ही दो 12.7 एमएम की एसआरसीजी (स्टेब्लाइज्ड रिमोट कंट्रोल गन) बंदूक लगाई गई है। इसके अलावा पोत कई आधुनिक प्रणालियों से लैस है जिनमें एकीकृत ब्रिज सिस्टम (दो तरफा रेडियो संचार प्रणाली), उच्च क्षमता युक्त बाहरी युद्धक प्रणाली,स्वचालित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली प्रमुख है। इस पोत पर दो इंजन वाले एक हेलीकॉप्टर को रखने की सुविधा है जो रात को उड़ान भरने में सक्षम होगा। इसके साथ ही पोत पर चार हाइस्पीड बोट एवं बचाव और राहत कार्य के लिए दो नौकाओं को भी रखने की सुविधा है।

प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकण पोत पर लगाए गए है जो तेल के रिसाव का पता लगाएंगे। यह पोत 26 नॉटिकल मील की अधिकतम गति से चल सकता है और 5,000 नॉटिकल मील के इलाके की निगरानी कर सकता है। उप निरीक्षक एलेक्स थॉमस इस पोत के कमांडिंग ऑफिसर बनाए गए हैं और उनके साथ 14 अधिकारी और 88 नाविक भी इस पोत पर तैनात रहेंगे। इस पोत का तूतीकोरिन में आधार होगा और परिचालन नियंत्रण तटरक्षक बल के पूर्वी क्षेत्र के पास होगा। समारोह में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सभी एहतियाती उपायों का अनुपालन किया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, शांतिपूर्ण, संप्रभु और स्थिर अफगानिस्तान के लिए प्रतिबद्ध है भारत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अफगान समकक्ष मोहम्मद हनीफ अतमार के साथ बातचीत में एक ऐसे शांतिपूर्ण, संप्रभु और स्थिर अफगानिस्तान के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता व्यक्त की जहां लोकतांत्रिक संवैधानिक ढांचे में सभी तबकों के अधिकारों की रक्षा हो। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर ने यह प्रतिबद्धता सोमवार को अतमार के साथ अपनी गहन चर्चा के दौरान व्यक्त की। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री 22 से 24 मार्च तक भारत की तीन दिन की यात्रा पर थे जिसमें मुख्यतः अफगान शांति प्रक्रिया और व्यापार, निवेश तथा रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा, ''विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि क्षेत्र एवं विश्व में शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए अफगानिस्तान में स्थायी शांति महत्वपूर्ण है।''

इसने कहा कि जयशंकर ने एक सफल अफगान शांति प्रक्रिया के लिए समग्र एवं स्थायी संघर्षविराम के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''विदेश मंत्री ने एक ऐसे शांतिपूर्ण, संप्रभु, स्थिर एवं समावेशी अफगानिस्तान के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के बारे में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री को पुनः आश्वस्त किया जहां लोकतांत्रिक संवैधानिक ढांचे में समाज के सभी तबकों के अधिकारों की रक्षा हो।

किशोर न्याय संशोधन विधेयक का मकसद प्रशासनिक ढांचे के माध्यम से बच्चों का संरक्षण है: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

लोकसभा में बुधवार को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021 चर्चा के लिये पेश किया गया जिसमें बच्चों से जुड़ेमामलों का तेजी से निस्तारण सुनिश्चित करने तथा जवाबदेही बढ़ाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट तथा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को अतिरिक्त शक्तियां देकर सशक्त बनाया गया है। विधेयक को चर्चा के लिये रखते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि बाल कल्याण समितियों को ज्यादा ताकत दी जा रही है। इससे बच्चों का बेहतर ढंग से संरक्षण में मदद मिलेगी। ईरानी ने कहा, ''देश के सात हजार से अधिक बाल संरक्षण गृहों का मुआयना किया गया। इन बाल गृहों के ऑडिट में कुछ गंभीर कमियां पाई गईं। 29 फीसदी बाल गृहों का तो पंजीकृत भी नहीं कराया गया था....कई बार बाल गृहों से यौन शोषण की शिकायतें आईं। इस स्थिति को देखते हुए यह संशोधन विधेयक लाया गया है।'' मंत्री ने कहा, ''इन संशोधन का लक्ष्य यह है कि हम सतर्क रहें ताकि प्रशासनिक ढांचे के माध्यम से बच्चों का संरक्षण किया जा सके।''

ईरानी ने बताया कि बच्चों के संरक्षण को केंद्रबिंदु में रखकर जिला मजिस्ट्रेट को निगरानी और कानून के क्रियान्वयन जिम्मेदारी दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक के माध्यम से किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 में संशोधन किया जा रहा है। इसके माध्यम से बच्चों के संरक्षण के ढांचे को जिलावार एवं प्रदेशवार मजबूत बनाने के उपाए किये गए हैं। इन प्रस्तावित संशोधनों में जे जे अधिनियम की धारा 61 के तहत गोद लेने के मुद्दे को जिला मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को अधिकृत किया गया है ताकि ऐसे मामलों का तेजी से निपटारा किया जा सके और जवाबदेही तय की जा सके। इसके तहत जिला अधिकारियों को कानून के तहत निर्बाध अनुपालन सुनिश्चित करने और कठिनाई में पड़े बच्चों के लिये सुसंगत प्रयास करने के लिये अधिकार सम्पन्न किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट को अधिनियम के तहत और अधिक सशक्त बनाते हुए कानून के सुचारू क्रियान्यवन का भी अधिकार दिया गया है जिससे संकट की स्थिति में बच्चों के पक्ष में समन्वित प्रयास किए जा सके। सीडब्ल्यूसी सदस्यों की नियुक्ति संबंधी योग्यता मानदंडों को परिभाषित करने और पहले से अनिर्धारित अपराधों को गंभीर अपराध के रूप में वर्गीकृत करने की भी बात विधेयक के प्रस्ताव में कहीं गयी है। इसके माध्यम से कानून के विभिन्न प्रावधानों पर अमल में आने वाली दिक्कतों को भी दूर करने की बात कही गई है।

चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस की परनीत कौर ने कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि कानून के प्रावधानों का पूरी संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वयन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक में बाल संरक्षण की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट को दी गई है, जबकि सबको पता है कि जिला अधिकारियों के पास पहले ही बहुत जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने सरकार को इस पर गौर करना

चाहिए। भाजपा की अपराजिता सारंगी ने कहा कि 2015 के जेजे कानून के क्रियान्वयन के दौरान जमीनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नया संशोधन विधेयक लाया गया जो काबिलेतारीफ है। उन्होंने कहा कि किशोर न्याय व्यवस्था का दायरा बढ़ाने की जरूरत है ताकि बच्चों का उचित ढंग से संरक्षण हो सके। अपराजिता ने कहा कि यह कहना उचित नहीं है कि जिला अधिकारी इस कानून के क्रियान्वयन के लिए समय नहीं दे सकेगा। जिला मजिस्ट्रेट जिले का अगुआ होता है और वह इस जिम्मेदारी का निर्वहन अच्छी तरह से कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)